

क्षमा प्रतिशोध के बजाय सुधार और नफरत के बजाय संवाद का मार्ग : उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भगवान महावीर स्मृति समिति और जैन महासभा के महापर्व क्षमापना समारोह में कहा कि क्षमा प्रतिशोध के बजाय सुधार, नफरत के बजाय संवाद और शत्रुता के बजाय मेल-मिलाप का मार्ग चुनना है। अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा का अभाव नहीं बल्कि विचार, वाणी और कर्म में हिंसा से दूर रहना भी है। वास्तव में विकसित भारत में नागरिकों के बीच विश्वास, परिवारों में संस्कार, युवाओं में चरित्र और समाज में करुणा होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति रविवार को यहां विज्ञान भवन में भगवान महावीर स्मृति समिति और जैन महासभा दिवसी की ओर से आयोजित महापर्व क्षमापना समारोह-2026 में शामिल हुए। कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, भगवान महावीर स्मृति समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल हुर, जैन महासभा दिल्ली के अध्यक्ष दिनेश दोशी, आचार्य विश्वदूध सागरजी मुनिराज, श्री जैन तरुण समाज भगवान महावीर स्मृति समिति के महासचिव विपिन जैन, मुनिश्री उदित कुमार जी, मुनिश्री तीर्थ निर्वाण विजय



जी और उपाध्याय रविंद्र मुनि जी सहित तमाम लोग मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्षमापना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि मनुष्य के हृदय में परिवर्तन का अवसर है। जैन परंपरा ने क्षमा को जिस गहराई से आध्यात्मिक साधना में बदला है, वह आज भारत और पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक है। जैन धर्म ने तमिल साहित्य और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जैन विद्वानों और साधुओं ने शास्त्रीय तमिल साहित्य के विकास में योगदान दिया। तमिलनाडु में प्राचीन जैन मंदिरों और शिक्षा केंद्रों की मौजूदगी भी इस संबंध को दर्शाती है। उन्होंने जैन दर्शन के सार्वभौमिक संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी जीवों के प्रति मैत्री और किसी के प्रति शत्रुता नहीं रखने की भावना भारत के 'वसुधैव कुटुंबकम' के सन्त्यागत विचार से जुड़ी है।

सुशासन निवेशकों के भरोसे और जनविश्वास को कायम रखने वाला अदृश्य ढांचा : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के (आईसीएसआई) स्थापना दिवस समारोह में कहा कि सुशासन निवेशकों के भरोसे और जनविश्वास को कायम रखने वाला अदृश्य ढांचा है। प्रौद्योगिकी निर्णय लेने के तरीके को बदल सकती है लेकिन ईमानदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता और जिम्मेदारी मानवीय ही रहेंगे। उन्होंने कंपनी सचिवों को सुशासन का प्रहरी और भारतीय कंपनियों के विश्वास तंत्र का केंद्र बताया। उपराष्ट्रपति रविवार को यहां भारत मंडपम में भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के 58वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्थान के करीब छह दशक के सफर की सराहना की और पारदर्शी, नैतिक तथा समावेशी कॉर्पोरेट सुशासन को मजबूत करने में उसके योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम में आईसीएसआई के अध्यक्ष

सीएस पवन चंडक, राज्यसभा की पूर्व सदस्य डॉ. सोनल मान सिंह और संस्थान के सचिव सीएस आशीष मोहन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सुशासन नागरिकों की देखभाल और जनविश्वास की रक्षा के लिए जरूरी है। लोग जब कर का भुगतान करते हैं तो जिम्मेदार शासन की अपेक्षा रखते हैं। इसी तरह निवेशक चाहते हैं कि कंपनियां बेहतर कॉर्पोरेट सुशासन के माध्यम से उनके हितों की रक्षा करें। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान पारंपरिक नियामकीय अनुपालन से आगे बढ़कर सुशासन को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण संस्थान बन गया है। राधाकृष्णन ने कहा कि संस्थान में आया बदलाव कंपनी सचिव के पेशे के विकास को भी दर्शाता है। आज यह पेशा कॉर्पोरेट पारदर्शिता, निवेशकों के भरोसे और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कृत्रिम

बुद्धिमत्ता, उन्नत आंकड़ा विश्लेषण और तेजी से बदलते कारोबारी मॉडल के दौर का उल्लेख करते हुए कंपनी सचिवों से कानूनी, रणनीतिक और नैतिक आधार को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी सूचना तैयार करने और निर्णयों में सहायता करने के तरीके को बदल सकती है लेकिन ईमानदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता और जिम्मेदारी की भूमिका मनुष्य की ही रहेगी। राधाकृष्णन ने युवाओं के लिए इस पेशे में प्रवेश के अधिक अवसर पैदा करने की जरूरत बताई। उन्होंने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की शुल्क माफी संबंधी पहलों की सराहना की और विद्यार्थियों तक पहुंच बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए अनुपालन कैलेंडर 2027 जारी किया। उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा नए उद्यमों के लिए संस्थान की पहलों की भी सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया की आंखों में बाटला हाउस एनकाउंटर के आरोपियों के लिए थे आंसू, कैप्टन स्मित के लिए करुणा का भाव नहीं : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की कथित चुपगी पर सवाल उठाए हैं। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने रविवार को कहा कि कैप्टन स्मित ने विमान में अदृश्य साहस का परिचय देकर कई लोगों की जान बचाई, लेकिन

गांधी परिवार की ओर से उनके लिए अब तक एक भी शब्द, पोस्ट या प्रेस वक्तव्य सामने नहीं आया है। सुधांशु त्रिवेदी ने यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैप्टन स्मित से बात कर चुके हैं और इजरायल तथा अमेरिका के राष्ट्रपतियों ने भी उनकी बहादुरी की सराहना की है। ऐसे में गांधी परिवार की चुपगी सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि आखिर कैप्टन स्मित के साहस पर कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। उन्होंने कहा कि मोडिया में आरोपी पायलट इमाम अल हमामी को लेकर अल-कायदा की ओर से कथित समर्थन की खबरें भी सामने आई हैं। इसके बावजूद सोनिया, प्रियंका और राहुल ने कैप्टन स्मित के साहस को लेकर कोई बयान नहीं दिया। उन्होंने बाटला हाउस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए कहा कि जिन लोगों ने उस घटना के आरोपियों के प्रति सहानुभूति दिखाई थी, उनकी ओर से कैप्टन स्मित के लिए करुणा का कोई भाव दिखाई नहीं दे रहा है।

20 साल पुराने केस में घिरे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, केरल सरकार ने दिए जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम। केरल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़ा करीब 20 साल पुराना मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के निर्माण पर चल रहे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केरल सरकार ने 2006 के एक मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला उस समय का है, जब ज्ञानेश कुमार केरल के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव के पद पर कार्यरत थे। मामला कथित प्रशासनिक अनियमितताओं और मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा बताया जा रहा है। ली सी बीन उस समय पीएटीआई-बीईएल कंसोर्टियम से जुड़े थे। यह कंसोर्टियम केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत एमसी रोड के अपग्रेडेशन के काम में शामिल था। मामले से जुड़ी जानकारी के अनुसार, ली सी बीन की आत्महत्या के बाद सामने आए कथित सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम होने की बात कही गई थी। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता अभी जांच का विषय है। विजिलेंस जांच के आदेश का मतलब यह नहीं है कि लगाए गए आरोप साबित हो गए हैं। केरल सरकार के मुताबिक, मामले की शुरुआती जांच की प्रक्रिया पर भी सवाल उठे हैं। आरोप है कि जांच के दौरान बाहरी दबाव डाला गया और मूल जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई।

पेंशन अदालत में 897 लंबित शिकायतों का होगा निपटारा, अति वरिष्ठ और पारिवारिक पेंशनरों के मामलों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की 17वीं पेंशन अदालत में अति वरिष्ठ पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों की 897 लंबित शिकायतों का निपटारा किया जाएगा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह 05 अक्टूबर को यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित पेंशन अदालत की अध्यक्षता करेंगे। यह पेंशन अदालत 24 मंत्रालयों और विभागों से जुड़ी शिकायतों के निपटारे के लिए आयोजित की जा रही है। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के अनुसार, पेंशन अदालत केंद्रीय सरकारी पेंशनरों की शिकायतों के मौके पर निपटारे के लिए शुरू की गई वैकल्पिक व्यवस्था है। इसमें किसी शिकायत से जुड़े सभी पक्षों को एक मंच पर लाकर लंबे समय से लंबित

मामलों का समाधान किया जाता है। इससे मंहंगी और समय लेने वाली न्यायिक प्रक्रिया की आवश्यकता कम होती है। विभाग ने 2017 में पेंशन अदालत की शुरुआत की थी। अब तक इसके 16 आयोजन हो चुके हैं। इनमें कुल 28,797 शिकायतों में से 20,676 का मौके पर निपटारा किया गया। इसकी सफलता दर 71.79 प्रतिशत रही है। शेष मामलों का भी संबंधित पेंशन अदालतों के बाद विभाग की ओर से आयोजित अंतर-मंत्रालयी समीक्षा बैठकों के माध्यम से निपटारा किया गया। 17वीं पेंशन अदालत विषय आधारित होगी। इसमें अति वरिष्ठ पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों से संबंधित 897 शिकायतों को लिया गया है। ये शिकायतें पेंशन शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से दर्ज की गई हैं।

यूक्रेनी मंत्री ने कहा- भारत ने जंग रुकवाने का भेजा है प्रस्ताव

कोव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में भारत ने एक अहम युद्धविग्रम का प्रस्ताव दिया है, जिसे यूक्रेन ने सबसे व्यापक करार दिया है। पिछले लगभग साढ़े चार साल से रूस के साथ उलझे यूक्रेन ने इस प्रस्ताव के मिलने की गुफ्ट की है। जेलेंस्की के खास और यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने भारत द्वारा दिए गए युद्ध विग्रम के प्रस्ताव को सबसे सही और व्यापक बताया है। यह खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब हाल ही में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी इस बात का जिक्र किया था कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार युद्ध को खत्म करने की बात करते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि युद्धविग्रम के लिए उन्हें चार देशों से प्रस्ताव मिले हैं। इनमें भारत, तुर्किए, मिस्र और अमेरिका शामिल हैं। सिबिहा ने स्पष्ट रूप से कहा कि इन चारों में से भारत का प्रस्ताव सबसे व्यापक है। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने आगे कहा कि वह इन सभी प्रस्तावों पर अलग-अलग तरीकों से विचार करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रमुख रूप से युद्धविग्रम तभी हो पाएगा, जब इसमें एनजी सेंटर्स और पोर्ट्स पर हमलों को बंद करना और काला सागर (ब्लैक सी) की स्थिति को भी शामिल किया जाएगा।

जातीय खेमों में लड़ता भारत नहीं, हमें 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' चाहिए: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें बिखरा हुआ और जातीय खेमों में आपस में लड़ता भारत नहीं, बल्कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत चाहिए। जाति, धर्म और भाषा के नाम पर समाज को बांटना राष्ट्र और भारत माता के प्रति अपराध है। गुलामी के दौर में भी एक वर्ग समाज को बांटता था, जबकि दूसरा समाज को जोड़कर स्वधीनता की हुंकार भरता था। आज भी वही प्रवृत्ति अलग-अलग रूपों में दिखाई दे रही है। ऐसे में शिक्षक समाज की जिम्मेदारी है कि विभाजनकारी ताकतों को सफल न होने दे। मुख्यमंत्री रविवार को डॉ.



राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में अखिल विधिव गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित प्रांतीय शिक्षक गरिमा कार्यक्रम का संबोधित कर रहे थे। गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा और माता भगवती देवी को नमन करते हुए कहा कि गायत्री परिवार ने यज्ञ के माध्यम से समाज को जोड़कर सामाजिक एकता का आदर्श प्रस्तुत किया।

हरियाणा के 48 विधायक, एक मिशन पंजाब! पीएम मोदी और बीजेपी ने बिछाई 2027 की सबसे बड़ी सियासी बिसात

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा BJP के विधायकों की शनिवार को बैठक हुई। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर बात हुई। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र हुआ। पुरानी यादें भी ताजा हुईं। लेकिन बैठक से एक बड़ा संकेत मिला। BJP का फोकस पंजाब चुनाव पर है। सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा BJP के ज्यादातर विधायक पंजाब में मोर्चा संभाल सकते हैं।

पंजाब में उत्तरंगे हरियाणा BJP के विधायक: सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा BJP के ज्यादातर विधायकों और नेताओं को पंजाब में नैतित किया जा सकता है। उन्हें अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी मिल सकती है। बृथ स्तर पर भी जिम्मेदारी दी जा सकती है। BJP पंजाब के मतदाताओं के सामने



हरियाणा का गवर्नेस मॉडल रखने की तैयारी में है। इसी रणनीति के तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहले से पंजाब के कई दौर कर रहे हैं। पिछले एक साल में नायब सिंह सैनी ने पंजाब में करीब 90 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है। वह BJP की 2027 की पंजाब आउटरीच योजना को आगे बढ़ा रहे हैं। सैनी पंजाब में अलग अंदाज में भी नजर आए हैं। उन्होंने पंजाबी पहनी। धार्मिक स्थलों का दौरा किया।

नीतीश की विरासत और जेडीयू के वजूद पर सवाल संजय झा की भूमिका को लेकर पार्टी के भीतर उठने लगी आवाजें

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नीतीश कुमार के सक्रिय राजनीति से पीछे हटने के बाद जेडीयू के नेतृत्व और भविष्य को लेकर पार्टी के भीतर बहस तेज हो गई है। पार्टी के एक वर्ग का मानना है कि निशांत कुमार को छोड़कर फिलहाल ऐसा कोई चेहरा स्पष्ट रूप से सामने नहीं है, जिसकी व्यापक जनस्वीकार्यता और संगठन पर मजबूत पकड़ हो। इसी बीच जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। उनके आलोचक कहते हैं कि प्रत्यक्ष चुनावी जीत और मजबूत स्वतंत्र जनाधार नहीं होने के बावजूद उन्हें पार्टी में लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलती गईं। इससे संगठन के पुराने कार्यकर्ताओं के एक वर्ग में असंतोष की चर्चा है। संजय झा की राजनीतिक पृष्ठभूमि और भाजपा के साथ उनके पुराने संबंधों को लेकर भी विरोधी नेता सवाल उठाते रहे हैं। कुछ आलोचक उनकी राजनीतिक निष्ठा पर संदेह जताते हुए जेडीयू के भविष्य और भाजपा

निशांत कुमार के अलावा पार्टी में प्रभावी नेतृत्व को लेकर चर्चा तेज, संगठन के भीतर असंतोष के दावों ने बढ़ाई चिंता



के साथ पार्टी के संबंधों को लेकर आशंकाएं व्यक्त करते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। टिकट वितरण और संगठनात्मक फैसलों को लेकर भी पार्टी के कुछ नेताओं की नाराजगी सामने आने की बात कही जा रही है। धनबल के आधार पर टिकट दिए जाने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं, लेकिन इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। आनंद मोहन के

हालिया बयानों के बाद नेतृत्व को लेकर यह बहस और तेज हुई है। ऐसे में जेडीयू के सामने सबसे बड़ी चुनौती नीतीश कुमार की विरासत को आगे बढ़ाने के साथ संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं का भरोसा और पार्टी के राजनीतिक वजूद को बनाए रखने की है। आने वाला समय बताएगा कि पार्टी इस नेतृत्व संकट और अंदरूनी असंतोष से किस तरह निपटती है।

कृतज्ञ राष्ट्र महान क्रांतिकारी श्यामजी कृष्ण वर्मा के पराक्रम को कभी भुला नहीं सकता: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एक्स हैडल पर क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी जयंती पर याद किया। उन्होंने लिखा, "महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी जयंती पर सादर नमन। मां भारती की पराधीनता की बेड़ियों को तोड़ने के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए उन्होंने जिस पराक्रम और पुरुषार्थ का परिचय दिया, कृतज्ञ राष्ट्र उसे कभी भुला नहीं सकता। उल्लेखनीय है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी और विचारक श्यामजी कृष्ण वर्मा का जन्म 4 अक्टूबर 1857 को मॉडवी (कच्छ) गुजरात में हुआ था। वे एक प्रखर राष्ट्रशास्त्री, पत्रकार और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से एमए व बार-एट-लॉ की उपाधि पाने वाले पहले

भारतीय हैं। उन्होंने विदेश में रहकर क्रांतिकारी गतिविधियों को संगठित करने के लिए 1905 में लंदन में इंडिया हाउस की स्थापना की। बाद में यह केंद्र वीर सावरकर और मदनलाल दींगरा जैसे क्रांतिकारियों का प्रमुख केंद्र बना। क्रांतिकारी विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने द इंडियन सोशियोलोजिस्ट नामक पत्रिका निकाली। मॉडवी का क्रांति तीर्थ उनकी स्मृति और भारत के क्रांतिकारी स्वतंत्रता संग्राम को जीवंत बनाता है। यहां उनकी विरासत को संरक्षित किया गया है। इस स्मारक में श्यामजी कृष्ण वर्मा और उनकी पत्नी भानुमती की अस्थियां भी हैं। उनकी अस्थियां 55 वर्ष के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान रिवट्रजरलैंड से वापस लाई गईं और पूरे राजकीय सम्मान के साथ क्रांति तीर्थ में स्थापित की गईं। गुजरात खनिज विकास निगम लिमिटेड 2010 से क्रांति तीर्थ का रखरखाव कर रहा है।

विदेश मंत्रालय की सलाहकार समिति में जयशंकर ने सांसदों से कहा अमेरिका को भारत का सीधा संदेश, रूस से तेल खरीद जारी रहेगी

एजेंसी। नई दिल्ली

रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत ने अपना रुख साफ कर दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को विदेश मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि रूस का कच्चा तेल भारत के एनजी मिक्स का हिस्सा बना रहेगा। बैठक में भारत-रूस संबंधों, यूक्रेन युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में सांसदों के साथ रूस पर भारत की कच्चे तेल के लिए निर्भरता और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में भारत की भूमिका पर खास चर्चा हुई। जयशंकर ने सांसदों को बताया कि बाहरी दबाव के बावजूद नई दिल्ली मॉस्को के साथ अपने संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने व्यापार, निवेश,



ऊर्जा, कनेक्टिविटी, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों को अपने रूस के साथ बहुआयामी जुड़ाव का अहम हिस्सा बताया। भारत के करीब 52% कच्चे तेल का रूस से आयात : बैठक में बताया गया कि भारत के कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 52 प्रतिशत है। यूक्रेन युद्ध के चलते पश्चिम एशिया के पारंपरिक ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं पर असर पड़ा है। ऐसे में रूसी तेल भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। बैठक में यह भी चर्चा हुई

कि युद्ध जारी रहने के बावजूद यूरोपीय देश भी अपनी ऊर्जा जरूरतों का कुछ हिस्सा रूस से आयात कर रहे हैं। बैठक में यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के भारत के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। भारत का रुख है कि युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत और कूटनीति ही आगे का रास्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी नेतृत्व, दोनों से बातचीत कर चुके हैं। भारत लगातार संघर्ष के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति का समर्थन करता रहा है। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में बैठक की जानकारी शेयर की। उन्होंने कहा कि भारत ने रूस के साथ अपने बहुआयामी जुड़ाव और यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत एवं कूटनीति को सक्रिय समर्थन देने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने एशियाई खेलों में महिला टीम गोल्फ के रजत जीतने पर दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एशियाई खेलों में महिला टीम गोल्फ को रजत पदक जीतने पर अद्वितीय अशोक, प्रणवी शर्मा उर्स और दीक्षा डागर को बधाई दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा कि तीनों खिलाड़ियों की सफलता खेल के प्रति उनके दृढ़ संकल्प और जुनून को दर्शाती है। उन्होंने अद्वितीय अशोक, प्रणवी शर्मा उर्स और दीक्षा डागर के निरंतर सफलता की कामना की और उम्मीद जताई कि वे आने वाले समय में सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करेंगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि तीनों खिलाड़ियों ने महिला टीम गोल्फ स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है।

आरबीआई क्रिप्टोकॉरेंसी को लेकर सतर्क, नई तकनीकों के इस्तेमाल को दे रहा बढ़ावा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि भारत क्रिप्टोकॉरेंसी को लेकर सतर्क रुख अपनाना रहा है, लेकिन इससे जुड़ी नई तकनीकों और उनके संभावित इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रणाली की मौजूदा मजबूती को भविष्य के जोखिमों से सुरक्षा की गारंटी नहीं माना जा सकता और नए तरह के खतरों से निपटने के लिए सतर्कता जरूरी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक एक सम्मेलन में गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि भारत क्रिप्टो परिसंपत्तियों से जुड़ी डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी और टोकन व्यवस्था जैसी तकनीकों में नवाचार का समर्थन करता है। आरबीआई

गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा- नए तरह के खतरों से निपटने के लिए सतर्कता जरूरी

इन तकनीकों का इस्तेमाल केंद्रीय बैंक के अंदर भागीदारी के जरिए से भी कर रहा है। हालांकि, मौद्रिक संप्रभुता, मौद्रिक नीति और पूंजी प्रवाह से जुड़ी चिंताओं के कारण क्रिप्टोकॉरेंसी के प्रति सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में मुद्रा की एकरूपता और मौद्रिक नीति पर संभावित प्रभाव शामिल हैं। खासकर उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह अहम है, जहां पूंजी प्रवाह पर कुछ प्रतिबंध लागू हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ में हुई जनहानि पर डॉ. प्रेम

कुमार ने व्यक्त की गहरी संवेदना

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुःख एवं शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ की इस कठिन परिस्थिति में लोगों की जान जाना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोक-संतपन परिवारों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को और तेज किया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन एवं राहत-बचाव दलों से प्रभावित लोगों तक भोजन, पेयजल, दवा तथा अन्य आवश्यक सहायता शीघ्र पहुंचाने और लापता लोगों की तलाश में हरसंभव प्रयास करने की अपील की। उन्होंने आम लोगों से भी बाढ़ प्रभावित एवं जलमग्न क्षेत्रों में सावधानी बरतने तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की।

बाढ़ में जनहानि पर डॉ.

प्रेम कुमार ने जताया शोक

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और शोककुल परिवारों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बाढ़ की विषम परिस्थितियों में लोगों की जान जाना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने प्रशासन और राहत-बचाव दलों से प्रभावित क्षेत्रों में अभियान तेज करने तथा लोगों तक भोजन, पेयजल, दवा सहित अन्य आवश्यक सामग्री शीघ्र पहुंचाने की अपील की। उन्होंने लापता लोगों की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास करने को भी कहा। विधानसभा अध्यक्ष ने आम लोगों से जलमग्न और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सावधानी बरतने तथा प्रशासन की ओर से जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की।

बिहार की वित्तीय स्थिति पर राजनीति नहीं, तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर बात करें तेजस्वी यादव : हम

पटना। हिन्दुस्तानी अवाग मोर्चा के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण ने तेजस्वी यादव के बिहार में अगले छह महीनों में वित्तीय संकट और संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति पर किसी भी निकर्ष से पहले बजट के वास्तविक आंकड़ों को देखना आवश्यक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में ७3.47 लाख करोड़ से अधिक के व्यय का प्रावधान है। सरकार ने विफास एवं जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान किए हैं।श्री शरण ने कहा कि राज्य पर कर्ज होना और वित्तीय संकट की स्थिति एक ही बात नहीं है। बजट दस्तावेज में राजकोषीय घाटे और सार्वजनिक ऋण की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज है। सरकार वित्तीय अनुशासन के साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, ग्रामीण विकास और अन्य बुनियादी क्षेत्रों में निवेश कर रही है। ऐसे में राज्य की वित्तीय स्थिति पर चिंता व्यक्त करने के साथ-साथ उसके समर्थन में दोस अंकड़े भी सार्वजनिक किए जाने चाहिए, ताकि जनता के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार की वित्तीय नीतियों पर सवाल उठाने का पूरा अधिकार है, लेकिन ऐसे गंभीर विषय पर राजनीतिक आरोपों के बजाय तथ्य और आंकड़ों सामने रखना अधिक उपायगी होगा। बिहार सरकार विकास की प्राथमिकताओं और उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ रही है। बिहार की अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्थिति पर स्वस्थ, तथ्यपरक और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श ही राज्यहित में है।

गोवर्धन पूजा समारोह की तैयारी को

लेकर श्री कृष्ण चेतना समिति की बैठक

पटना। श्री कृष्ण चेतना समिति की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को समिति के अध्यक्ष कपिल देव प्रसाद यादव के आवास पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष कपिल देव प्रसाद यादव ने की। बैठक में आगामी 10 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले गोवर्धन पूजा समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समारोह को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से आयोजित करने को लेकर पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव दिए। बैठक में उपाध्यक्ष अनिल यादव, सचिव शशि रंजन उर्फ टटपटन, राजेश यादव एवं राहुल रंजन सिन्हा, नवीन यादव,संयोजक हिमांशु प्रकाश यादव उर्फ पप्पू, मीडिया प्रभारी अयुष कुमार उर्फ रंजीत यादव तथा सदस्य अभिषेक यादव, प्रिंस यादव, मनोष यादव, शंभू यादव, सुरेंद्र यादव एवं सुबोध कुमार उपस्थित रहे।

बेसा का हृदय स्वास्थ्य

जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

पटना।बिहार अभियंत्रण सेवा संघ के तत्वाधान में सेवानिवृत्त अभियंता फोरम द्वारा रविवार को अभियंता भवन, जय प्रकाश पथ, बोरिंग रोड, पटना में एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. निशांत त्रिपाठी ने भाग लिया। डॉ. त्रिपाठी ने उपस्थित सेवानिवृत्त अभियंताओं को बुजुर्गोंकी समस्या में हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय, खान-पान, नियमित जांच, व्यायाम एवं जीवनशैली में आवश्यक बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं तनाव प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने हृदय स्वास्थ्य से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं को रखा, जिसका डॉ. त्रिपाठी ने समाधान किया। फोरम की ओर से डॉ. निशांत त्रिपाठी को उनके बहुमूल्य योगदान एवं जन-जागरूकता के लिए स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फोरम के अध्यक्ष, महासचिव ई किशोर कुमार के साथ ई रविन्द्र कुमार सिन्हा, ई जेके दत्ता, राकेश कुमार,आरती सिन्हा सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अभियंता एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

पूर्व विधायाक अशोक सिंह ने राजद का थामा दामन, तेजस्वी यादव ने दिलाई सदस्यता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल द्वारा भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अनिल टाडार ने की। समारोह का मुख्य आकर्षण रफीगंज के जेडीयू के पूर्व विधायक अशोक सिंह का राजद में शामिल होना रहा। अशोक सिंह ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ आज विधिवत रूप से राजद की सदस्यता ग्रहण की। राजद का दामन थामने के बाद अशोक सिंह ने बिना नाम लिए अपने ही समर्थक के नेताओं पर तंज करते हुए कहा कि औरंगाबाद में मेरे सदस्यता लेने से कई लोगों को जलन हो रही है। उन्होंने कहा कि वे अपने घर वापस आया है उनके पिता निरंजलीय चुनाव जीतने के बाद राजद का ही समर्थन किया था। आज वे घर लौटा हैऔर यह उनकी अंतिम पकट होगी। अपने संबोधन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचारियों की सरकार है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शपथ वाले बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि महिलाओं और बेटियों के साथ गलत करने वालों का एककांटेर रोंग, नहीं तो इस्तीफा दे देंगे, लेकिन आज दिनदहाड़े बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है। तेजस्वी ने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 2025 के चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है, यह चुनाव चिरी से जीता गया है। चुनाव आयोग ने अमित शाह के इशारे पर काम किया है।

पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के छात्रों एवं युवाओं से निशांत ने किया संवाद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में स्वास्थ्य विभाग निशांत ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से आए बड़ी संख्या में छात्रों एवं युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया। इस दौरान उपस्थित छात्र-युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जय निशांत-तय निशांत के नारों से प्रदेश कार्यालय परिसर गूंज उठा। इस अवसर पर बिहार विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी एवं पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी सह मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार भी मौजूद रहे। निशांत ने कहा कि नीरज कुमार पार्टी के समर्पित एवं अनुभवी साथी हैं। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता रही है और वे सदैव अपने क्षेत्र की जनसमस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। ऐसे में युवा प्रत्येक साथी का दायित्व है कि वे पूरी एकजुटता के साथ श्री नीरज कुमार के समर्थन



में चुनाव प्रचार में जुटें और उनकी जीत सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने तथा छात्रों एवं युवाओं के हित में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। वर्ष 2005 में राज्य में 10 राजकीय विश्वविद्यालय थे, जिनकी संख्या वर्ष 2025 तक बढ़कर 21 हो गई। बिहार की साक्षरता दर 47.53 प्रतिशत से बढ़कर 79.70 प्रतिशत हो गई है। वहीं महिलाओं की साक्षरता दर जो

वर्ष 2001 में 33.57 प्रतिशत थी बढ़कर 73.91 प्रतिशत हो गई है। निशांत ने कहा कि राज्य में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 2 से बढ़कर 38 पॉलिटेक्निक संस्थानों की संख्या 13 से बढ़कर 46 तथा आईटीआई की संख्या 23 से बढ़कर 152 हो गई है। चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय एवं चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान की स्थापना की गई। इसके साथ ही जननायक कपूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय करने के संकल्प के साथ एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

बिहार के जल हितों को लेकर जनता जागरूक, नीतीश संवाद को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन : उमेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जनता दल्यू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को आगामी 6, 7, 8 एवं 9 अक्टूबर को क्रमशः सारण, वैशाली, समस्तीपुर एवं पटना में आयोजित होने वाले फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर संबंधित जिलों के विधानमंडल दल के सदस्यों, जिलाध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों, प्रकोष्ठ अध्यक्षों एवं वरिष्ठ साथियों के साथ वर्चुअल बैठक कर विस्तृत समीक्षा की तथा कार्यक्रमों के ऐतिहासिक आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम का भन्ववाद जापन बिहार विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी ने किया। इस मौके पर डॉ अमरदीप, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी शंभू कुशवाहा

एवं अंजुम आरा मौजूद रहीं। वहीं, वर्चुअल माध्यम से विधानपार्षद रवींद्र प्रसाद सिंह, विधानपार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, विधायक अश्वमेध देवी,विधायक सिद्धार्थ पटेल, विधायक अरुण मांझी, विधायक मौजरीक मुग्गल सहित कई वरिष्ठ साथियों ने संवाद में भाग लिया। इस दौरान श्री कुशवाहा ने कहा कि हमारा बिहार पिछले 30 वर्षों से फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि की भारी कीमत चुका रहा है। फरक्का बैराज के कारण गंगा में भारी मात्रा में गाद जमा होने से नदी की गहराई और जलधारण क्षमता प्रभावित हुई है। इसके चलते बिहार को हर वर्ष बाढ़ की त्रासदी झेलनी पड़ती है, किसानों की फसलें तबाह होती हैं और आम जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है, लेकिन इसका 73 प्रतिशत बोझ अकेले

बिहार को उठाना पड़ रहा है। इस संधि के कारण बिहार को शुष्क मौसम में गंगा समेत राज्य की आंतरिक नदियों का पानी भी फरक्का बैराज पर देना पड़ता है, जिससे कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लंबे समय से फरक्का के कारण बिहार को हो रहे नुकसान और बिहार के जल हितों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। हमारी पार्टी की ओर से 14 करोड़ बिहारवासियों के हित और भविष्य से जुड़े इस बेहद महत्वपूर्ण विषय को लेकर 5 सितंबर से ह्वाफरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इसके प्रथम चरण में 4 जिलों बक्सर, भोजपुर, खगड़िया एवं बेगूसराय में मा0 राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजय कुमार झा जी के साथ मेरा संयुक्त संवाद हुआ। इस कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन मिला है।

अजय कुमार पासवान बने बिहार कांग्रेस में मीडिया प्रमुख

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। कांग्रेस ने अजय कुमार पासवान को बिहार के मीडिया एवं प्रचार विभाग का चेयरपर्सन नियुक्त किया है। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से यह आदेश जारी किया गया है। मल्लिकार्जुन खरगे की सहमति से यह महत्वपूर्ण नियुक्ति हुई है। इससे पहले बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरपर्सन राजेश राठौर थे। राजेश राठौड़ ने एमएलसी चुनाव के लिए तिरहुत शिक्षक सीट से निर्दलीय अपना नामांकन भरा है। कांग्रेस की ओर से एमएलसी चुनाव के लिए उम्मीदवार के तौर पर उनका नाम जारी नहीं किया गया था। आज कांग्रेस ने उनकी जगह नया चेयरपर्सन नियुक्त कर दिया है। अजय कुमार पासवान मूल रूप से जहानाबाद के रहने वाले हैं। वह कांग्रेस में एससी-एसटी विभाग के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर भी रहे हैं।

» राजेश राठौड़ के निर्दलीय एमएलसी नामांकन के बाद बदला नेतृत्व

और उम्मीदवार के काम को देखकर मतदान करते हैं। नामांकन के बाद राजेश राठौड़ ने कहा था कि वे पिछले 10 साल से शिक्षकों की समस्याओं और मांगों को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। शिक्षक लगातार उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए कहते रहे। इसी वजह से उन्होंने तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक स्तर पर बदलाव का सिलसिला जारी है। हाल में पार्टी ने मीडिया विभाग का नए सिरे से गठन करते हुए विभिन्न पदों पर नेताओं को जिम्मेदारी दी थी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नेशनल टैलेंट हंट के तहत अपने मीडिया विभाग का पुनर्गठन किया था। दो दिन पहले पार्टी की ओर से जारी सूची में मीडिया से जुड़े अलग-अलग पदों पर कुल 93 नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई टीम में राज्य स्तर से लेकर जिला स्तर तक रिजर्व और प्रचार से जुड़ी जिम्मेदारियां

तय की गई हैं। नई व्यवस्था के तहत अस्मित नाथ तिवारी को राज्य मीडिया संयोजक बनाया गया है। वहीं ज्ञान रंजन और पंकज यादव को राज्य मीडिया विभाग का उपध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. तबरेज हसन, राजीव मेहता और अमित कुमार को क्षेत्रीय समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई है।नई टीम में 19 राज्य प्रवक्ता शामिल किए गए हैं। इनमें अहेतेशाम अहमद, अमर आजाद पासवान, आरती राय, चंद्र भूषण राजपूत, इंजीनियर कमल कालेश, इब्रार अहमद चक्रा, कुणाल ठाकुर, नदीम अख्तर अंसारी, निधि पांडेय, पूनम यादव, प्रियंका पुष्प और प्रो. अनीता कुमारी समेत अन्य नेता शामिल हैं। कांग्रेस ने मीडिया विभाग में 15 राज्य शोधकर्ता, 11 राज्य प्रचार समन्वयक और 20 जिला प्रवक्ता भी नियुक्त किए हैं। इस तरह पार्टी ने मीडिया संचार, शोध, प्रचार और जिला स्तर की गतिविधियों के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की हैं।

515 करोड़ की लागत से अंडरग्राउंड

होंगी शहर की बिजली लाइनें

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना को तारों के जंजाल से मुक्त करने और आंधी-बारिश में ब्रेकडाउन रोकने के लिए 774 किमी लंबी बिजली लाइनों को अंडरग्राउंड करने की योजना पर काम तेज कर दिया गया है। शहर के नौ प्रमुख डिविजनों में करीब 515 करोड़ की लागत से यह काम दो चरणों में करया जा रहा है। इसी कड़ी में अब राजधानी की लाइफलान बेली रोड को तैयार और तारों से मुक्त करने की तैयारी है। डाकबंगला से रूपरपुर तक सड़क किनारे लगे 70 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मरों को विशेष प्लेटफॉर्म पर स्थित करने और भूमिगत केबल बिछाने के लिए एजेंसी ने सर्वे शुरू

कर दिया है।नए साल में यहां पोल और ओवरहेड तार को हटाने का काम होगा। पेसू अधिकारियों के अनुसार, अंडरग्राउंड केबलिंग में रिंग मेन यूनिट लगाई जा रही है, जिससे किसी एक जगह फॉल्ट होने पर दूसरे छोर से तत्काल बिजली बहाल की जा सकेगी। अन्य एजेंसियों की खोदाई से केबल को बचाने के लिए सड़क किनारे बाकायला रूट मार्किंग भी होगी। 2026 - 1 पेसू में 13 डिविजन हैं। इस योजना से 9 डिविजनों के 33 केवी के 100 फीसदी और 11 केवी के 70-80 फीसदी तार अंडरग्राउंड हो जाएंगे। इनमें डाकबंगला, पाटलिपुत्र, आशियाना, गर्दनीबाग, न्यू कैपिटल, बांकीपुर, राजेंद्रनगर, कंदमकुआं, पाटलिपुत्र, राजेंद्रनगर (बेली रोड, बोरिंग रोड, डिजेंनगर

है। 2028 - 2 चार डिविजन के ओपन वायर को हटाकर एरियल बंच केबल में बदला जाएगा। इनमें दानापुर, खगौल, कंकड़बाग-2 और गुलजारबाग शामिल हैं। अंडरग्राउंड का काम दूसरे चरण में होगा। जोन-1इलाका : डाकबंगला और बांकीपुर डिविजन (डाकबंगला, बुद्धमार्ग, फ्रेंजर रोड, एजीबिशन रोड, भट्टाचार्या रोड, स्टेशन)का 179.57 करोड़ लागत से 1और डेडलाइन : 201.26 किमी, है जिसका डेडलाईन मार्च 2027 तक है जिसमें अबतक 24.86% पूरा करते हुए 50 किमी केबल बिछा है। जोन-2 इलाका : न्यू कैपिटल, कंकड़बाग, कदमकुआं, पाटलिपुत्र, डिजेंनगर (बेली रोड, बोरिंग रोड, राजेंद्रनगर

आदि)में 335.40 करोड़ लागत से 573.01 किमी का लक्ष्य है जिसके तहत मार्च 2028 तक डेडलाइन है अबतक काम 4.21% पूरा हुआ जिसके तहत 24.86 किमी केबल बिछा। पाटलिपुत्र कॉलोनी और पाटलिपुत्र इंडस्ट्रियल एरिया से सभी पोल-तरा-हटाए जाएंगे। इसके अलावा कुर्जों से बोरिंग रोड, बोरिंग केनाल रोड और आशियाना-दीघा रोड (बेली रोड से राजीव नगर नाला तक) की लाइनें अंडरग्राउंड होंगी। पीएम के रोड शो रूट डाकबंगला चौराहा से भट्टाचार्या रोड, कदमकुआं, चूड़ी मार्केट होते गांधी मैदान और कंकड़बाग मेन रोड से राजेंद्रनगर तक की लाइनें भी मार्च 2028 तक भूमिगत की जाएंगी।

सुभासपा में शामिल हुए संजय कु. शर्मा, पटना शिक्षक सीट से लड़ेंगे चुनाव



नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के किटवर्गीय स्थित प्रदेश कार्यालय में रविवार को आयोजित मिलन समारोह में संजय कु. शर्मा ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं की काफी संख्या में मौजूदगी रही। सुभासपा के संगठन प्रभारी सह राष्ट्रीय महासचिव डॉ. शशि भूषण प्रसाद ने संजय कु. शर्मा को पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारी में जुटने और पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में मेहनत करने की अपील की। डॉ. शशि भूषण प्रसाद ने कहा कि सुभासपा के विचारों और

राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की नीतियों से प्रभावित होकर संजय शर्मा ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत करने के साथ शिक्षक समाज के बीच जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। संजय शर्मा सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। पार्टी में शामिल होने के बाद संजय शर्मा ने कहा कि सुभासपा हर जाति, वर्ग और धर्म के लोगों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि ओमप्रकाश राजभर के आदर्शों और पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर उन्होंने सुभासपा का दामन थामा है। उन्होंने पार्टी के सिद्धांतों के अनुरूप शिक्षक समाज के हितों के लिए काम करने की बात कही।

कैंसर और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से लड़ने में जागरूकता सबसे जरूरी : राज्यपाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।कैंसर और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव और इलाज में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। लोगों को बीमारी के लक्षण, बचाव, जाँच और उपलब्ध इलाज की जानकारी होगी, तभी वे समय पर अस्पताल पहुंच सकेंगे। ये बातें राज्यपाल लेोपट्टेनैट जरनल सय्यद अता हसनैन ने महावीर कैंसर संस्थान, पटना में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3250 (बिहार एवं झारखंड) द्वारा आयोजित कैंसर एवं टीबी जागरूकता व रोकथामद्व्ध विषयक सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही।उन्होंने कहा कि डा.अपना काम तभी प्रभावी ढंग से कर सकते हैं, जब सरीज समय पर उनके पास पहुंचे। इसके लिए

खासकर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक सरल भाषा में स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी पहुंचाना जरूरी है। कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उस दौरान जागरूकता और प्रभावी संचार ने बीमारी से मुकाबले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी तरह टीबी और कैंसर के खिलाफ भी व्यापक जनजागरूकता जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि टीबी, रेंडियो, सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी सरल भाषा में समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाला हर मरीज सबसे पहले ईसान और भारतवासी है, इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार का

भेदभाव नहीं होना चाहिए और हर मरीज की सेवा मानवता के भाव से की जानी चाहिए। उन्होंने बीमार एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा को सबसे बड़ी सेवा बताते हुए रोटरी के प्रयासों की सरहना की तथा कैंसर एवं टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के इन प्रयासों को और व्यापक बनाने की अपील की। कार्यक्रम को जिला कैंसर व टीबी जागरूकता एवं रोकथाम समिति के अध्यक्ष रोटेरियन डॉ एलबी सिंह,महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायन कुणाल तथा रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3250 के जिला गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम के अध्यक्ष रोटेरियन राजेश अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सीता कुंड में डॉ. प्रेम कुमार ने किया पितरों एवं दिवंगत आत्माओं का तर्पण



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला के अवसर पर गयाजी स्थित सीता कुंड में अंतःसलिला फल्गु नदी के पवन टुट पर विधिवत तर्पण एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपने पितरों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए तर्पण किया। इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने अपने पितरों के साथ-साथ देश

की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्र की रक्षा में शहीद हुए अमर जवानों तथा विभिन्न कारणों से दिवंगत हुई सभी आत्माओं की शांति एवं सर्दति के लिए श्रद्धार्पूर्क तर्पण किया। उन्होंने गयाजी आने वाले सभी श्रद्धालुओं से पितृपक्ष मेला के दौरान श्रद्धा, आस्था एवं अनुशासन के साथ अपने पितरों का तर्पण करने तथा गयाजी की स्वच्छता एवं गरिमा बनाए रखने की अपील की।

दो आईएसएस अधिकारियों का तबादला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। इसके तहत राज्य में दो भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) के अधिकारियों के तबादले और नई जिम्मेदारियों का ऐलान किया गया है। यह आदेश 04 अक्टूबर 2026 को जारी किया गया है, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों को नई जगहों पर योगदान देने के निर्देश दिए गए हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार, 2013 बैच के आईएसएस अधिकारी नवल किशोर चौधरी को प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य संचरण कम्पनी लिमिटेड, पटना (तथा अतिरिक्त प्रभार - अपर सचिव, स्वास्थ्य विभाग) के पद पर कार्यरत थे। उन्हें स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अपर सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना के पद पर तैनात किया गया है। अमित कुमार पाण्डेय अपनी नई पदस्थापना के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव के अतिरिक्त प्रभार से भी मुक्त हो जाएंगे। यह पूरी प्रशासनिक अधिसूचना बिहार के राज्यपाल के आदेशानुसार सरकार के विशेष सचिव संजय कुमार द्वारा जारी की गई है।

संक्षिप्त समाचार

अनंत सिंह के प्रचार को लेकर जदयू नेतृत्व से सवाल

फतुहा। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद चुनाव को लेकर जदयू में अनुशासन का मुद्दा गरमा गया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार मौकामा के जदयू विधायक अनंत सिंह ने पार्टी प्रत्याशी नीरज कुमार के बजाय जन सुराज प्रत्याशी डॉ. अनुज सिंह के समर्थन में प्रचार किया है। इस पर बिहार विप्लवी परिषद के चेयरमैन अभिताभ कुमार दास (आईपीएस, 1994 बैच) ने जदयू नेतृत्व से सवाल उठाए हैं। दास ने पूछा कि यदि कोई कार्यकर्ता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ प्रचार करे तो कार्रवाई की जाती है, लेकिन प्रभावशाली विधायक के मामले में पार्टी का रुख क्या है? उन्होंने जानना चाहा कि क्या अनंत सिंह का प्रचार पार्टी अनुशासन के दायरे में आता है और यदि हां, तो उनके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासन का नियम सभी के लिए समान होना चाहिए। जदयू नेता उमेश कुशवाहा ने कहा है कि पार्टी की प्राथमिकता सभी आठ एनडीए उम्मीदवारों की जीत है।

शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए चुनाव आयोग से मांगा गया दिशा निर्देश

पटना। आदर्श आचार संहिता के महेनजर शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए चुनाव आयोग से दिशा निर्देश मांगा है। विभाग की ओर से इस संबंध में चुनाव आयोग को पत्र भी भेजा गया है। आयोग की स्वीकृति मिलते ही शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण की नई तिथि जारी कर आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, 2026 के तहत शिक्षकों के सामान्य स्थानांतरण के लिए पहले 4 अक्टूबर से ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू होनी थी। राज्य में विधान परिषद् के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव की वजह से आचार संहिता लागू है। अब चुनाव आयोग का दिशा निर्देश प्राप्त होते ही सामान्य स्थानांतरण की तारीख घोषित की जाएगी।

मधुप मणि पितकू बने अशोकनगर चित्रागुप्त परिषद के सचिव

पटना। 55 वर्षों से भी अधिक पुरानी सामाजिक संस्था अशोकनगर चित्रगुप्त परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन आज आमसभा की बैठक में सर्वसम्मति से किया गया। आमसभा में संस्था के पदाधिकारियों का चयन निर्विरोध एवं सर्वसम्मति से किया गया। आमसभा ने पत्रकार एवं समाजसेवी मधुप मणि “पितकू” को संस्था के महत्वपूर्ण संवैधानिक पद सचिव के रूप में मनोनीत किया। वहीं संस्था के वरिष्ठ सदस्य सुरेंद्र कुमार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, सचिव मधुप मणि “पितकू”, उपाध्यक्ष चितरंजन कुमार, उपाध्यक्ष गोविंद, कोषाध्यक्ष अलिंद वर्मा तथा अंकेक्षक राजेश कुमार सिन्हा का चयन किया गया। आमसभा में सदस्यों ने नई कार्यकारिणी से संस्था की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने, सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को मजबूत करने तथा सदस्यों के हित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की। आमसभा में आगामी चित्रगुप्त पूजनोत्सव की तैयारी की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

न्यू एरा पब्लिक स्कूल को मिला ‘चैंपियन ऑफ द चैंपियंस’ का खिताब



पटना। बापू सभागार में रोटरी क्लब, पटना द्वारा आयोजित 45वीं अंतर विद्यालय लोक नृत्य एवं विषयगत नृत्य प्रतियोगिता में न्यू एरा पब्लिक स्कूल ने ‘चैंपियन ऑफ द चैंपियंस’ का खिताब जीता। प्रतियोगिता में पटना के 15 से अधिक विद्यालयों ने भाग लिया। न्यू एरा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जूनियर वर्ग में तमिलनाडु के काबड़ी अट्टम, वरिष्ठ वर्ग में गुजरात के गरबा तथा विषयगत नृत्य में ‘दशरथ मांडी : द माउंटेन मैन’ पर आधारित शानदार प्रस्तुति दी। विद्यालय ने वरिष्ठ वर्ग में द्वितीय, विषयगत नृत्य में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय की प्राचायाँ डॉ. नीना कुमार ने प्रतिभागियों, कोरियोग्राफर एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ऊर्जा को और निखारने के लिए प्रेरित किया। समारोह में रोटरी क्लब की जिला गवर्नर अनु नारांग, बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नाटक के कलाकारों ने सफाई के प्रति लोगों को जागरूक किया गया



पटना। सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच की ओर से वाल्मी फुलवारीशरीफ स्थित संस्था के सभागार में महेश चौधरी द्वारा लिखित एवं मिथिलेश कुमार पांडे निर्देशित नाटक- “गंदगी को दूर भागाएं” का मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता से बीमारियों को कैसे कम किया जा सकता है। व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए शरीर, दांत, नाखून, कपड़ों का साफ सफाई और नियमित स्नान बहुत जरूरी है। नाटक में महेश चौधरी, मिथिलेश कुमार पांडे, कामेश्वर प्रसाद, सौरभ, करण, अमन, कृष्, रंजन, रश्मि, आस्था, आदित्य, खुशी सक्षम, एवं आशीष ने विभिन्न भूमिकाओं में अभिनय किया।

होटल मौर्या में बिहार के वरिष्ठ चिकित्सकों को मिला सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जय मां काली बखोरापुर मंदिर ट्रस्ट, भोजपुर एवं बुद्धा कैसर सेंटर, पटना के संयुक्त तत्वावधान में पटना के होटल मौर्या में बिहार के वरिष्ठ चिकित्सकों को समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि की गरिमामयी उपस्थिति रही। जबकि विशिष्ट अतिथि में बिहार के अनेक पद्मश्री से सम्मानित चिकित्सकों सहित पद्मश्री डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह, पद्मश्री डॉ. हेमंत कुमार, पद्मश्री डॉ. शांति राय एवं पद्मश्री डॉ. आर एन सिंह, पद्मश्री विजय प्रकाश के अलावा अनेक वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन के उपरांत स्वास्थ्य सचिव कुमार



रवि ने मंदिर ट्रस्ट एवं बुद्धा कैसर सेंटर की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि मंदिर और अस्पताल मिलकर समाज के मानसिक, आध्यात्मिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए एक स्वस्थ और विकसित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण

योगदान दे सकते हैं। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बी डी सिंह, संरक्षक सुनील सिंह एवं वरिष्ठ कैसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया कि यह आयोजन चिकित्सकों की सेवा और समर्पण के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने

सोनपुर मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा एवं SCDPM 6.0 के तहत पैंट्रीकार, बेस किचन एवं कैंटरिंग इकाइयों में गहन सफाई अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्वच्छता पखवाड़ा 2026 एवं SCDPM 6.0 के तहत सोनपुर मंडल द्वारा स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, मानसी एवं नौगछिया स्टेशनों पर स्थित पैंट्रीकार, बेस किचन एवं कैंटरिंग इकाइयों में विशेष गहन सफाई अभियान (Deep Cleaning Drive) चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन, उच्च स्तरीय स्वच्छता तथा स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। अभियान के दौरान रसोई एवं खाद्य सामग्री से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों की व्यापक सफाई एवं निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन,वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार एवं सभी संबंधित शाखाधिकारियों द्वारा सोनपुर एवं हाजीपुर स्टेशन का निरीक्षण के साथ-साथ खाद्य सामग्री के स्टॉलों तथा बिहार संपर्क केंद्र एक्सप्रेस के पैट्रीकार का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता, साफ-सफाई एवं यात्रियों



को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की व्यवस्था का जायजा लिया गया।

दुबई में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर बिहार की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था केसीएस फाउंडेशन द्वारा 27 युवा प्रतिभाओं का सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत बिहार की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था केसीएस फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर दुबई में यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन किया। समारोह में विभिन्न देशों और क्षेत्रों से चयनित 27 मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा, नेतृत्व, नवाचार और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूनेस्को द्वारा निर्धारित वर्ष 2026 की थीम “लिटरेसी फॉर पीपल, द प्लानेट एंड प्रोस्पेरिटी” के अनुरूप किया गया। वक्ताओं ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदार नागरिकता, सतत विकास और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और भविष्य के नेतृत्व के निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स 2026 के लिए विश्वभर से बड़ी संख्या में नामांकन



प्राप्त हुए थे। प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरांत 27 विद्यार्थियों का चयन किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमता, नवोन्मेषी सोच, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा अपने समुदायों के लिए किए गए सतत और मापनीय योगदान के आधार पर सम्मानित किया गया। समारोह का नेतृत्व डॉ. पंकज झा, डॉ. गौतम कुमार, डॉ. मेनका शेखर और डॉ. संजीत झा ने किया। आयोजकों ने कहा कि केसीएस फाउंडेशन शिक्षा, साक्षरता, युवा सशक्तिकरण

और सामुदायिक सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स इसी उद्देश्य की एक महत्वपूर्ण पहल है।कार्यक्रम में नेशनल स्मॉल इंस्ट्रुक्श कॉर्पोरेशन के कार्यकारी निदेशक (मध्य क्षेत्र) प्रभात कुमार झा तथा भारतीय महावाणिज्य दूतावास, दुबई के काउंसल (शिक्षा) पवित्र कुमार मजुमदार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और साक्षरता ही युवाओं को समाज

» केसीएस फाउंडेशन के यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स 2026 में शिक्षा, नेतृत्व और सामाजिक योगदान को मिली वैश्विक पहचान

और राष्ट्र निर्माण में सार्थक भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाती हैं। इस अवसर पर बंकि इंटरनेशनल के पौरुष शुन्रुनवाला, डेलॉइट के भूपेश कोर एवं अनीशा जैसिंधानी, मानसता फाउंडेशन के अनिल झा, अल्ट्रिया ग्लोबल के सिद्धांत धुरानी तथा प्रेक वक्ता अमर चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन और समन्वयन साइबर सुरक्षा अभियंता श्री तबिश गौतम, जुमेराह कॉलेज, दुबई की हेड ऑफ चैरिटी सुश्री रिया सारा कॉलिल, हेड ग्ल र्लिडानी मैरी मोरिन तथा छात्रा सुश्री क्रिस्टन गैब्रिएला वैंलेन ने किया। इनके प्रयासों से कार्यक्रम का आयोजन सुख्यस्थित, प्रभावशाली और सहभागितापूर्ण रहा।

पैरा तैराक शम्स आलम का एशियन पैरा गेम्स के लिए भारतीय दल में चयन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के पैरा तैराक शम्स आलम का जापान में 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले एशियन पैरा गेम्स-2026 के लिए भारतीय दल में चयन हुआ है। वह प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। शम्स आलम के अनुसार, एशियन पैरा गेम्स के लिए यह उनका लगातार तीसरा चयन है। बिहार से लगातार तीन बार एशियन पैरा गेम्स के लिए चयनित होने वाले वह पहले पैरा तैराक हैं। उनके चयन को राज्य के खेल जगत के लिए महत्वपूर्ण उपलक्ष्य माना जा रहा है। शम्स आलम ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय



स्तर पर कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं। 2018 की इंडियन ओपन पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में उन्होंने चार स्वर्ण पदक जीते। वहीं 2016 में कनाडा के गैटिन्स्यू, क्यूबेक

में आयोजित Can-Am Para Swimming Championships में कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने 2018 एशियन पैरा गेम्स, जकार्ता तथा 2022 वर्ल्ड पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप, मदीरा में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। खेल उपलब्धियों के लिए उन्हें 3 दिसंबर 2021 को राष्ट्रपति द्वारा ‘सर्वोत्कृष्ट स्पोर्ट्सर्सन विद डिसेबिलिटी अवार्ड’ से सम्मानित किया गया था। एशियन पैरा गेम्स-2026 में चयन पर आलम ने बिहार सरकार के सहयोग और प्रोत्साहन के प्रति आभार जताया। उनका चयन राज्य के पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत माना जा रहा है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास’ ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल को किया अमर



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में रविवार को आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जयंती एवं कथा-गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने की। उन्होंने कहा कि शुक्ल जी ने ‘हिन्दी साहित्य का इतिहास’ लिखकर हिन्दी साहित्य का महान उपकार किया। उनकी ‘चिंतामणि’ भी हिन्दी आलोचना की महत्वपूर्ण कृति है। वे भाव और रस के प्रबल पक्षधर तथा हिन्दी-समालोचना के शिखर पुरुष थे। डॉ. सुलभ ने महाकवि ब्रजनंदन सहाय ‘मोहन प्रेमयोगी’ के साहित्यिक योगदान को भी याद किया। समारोह का उद्घाटन बिहार

विधान परिषद सदस्य डॉ. राजवर्धन आजाद ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसी महान विभूतियों के योगदान से हिन्दी साहित्य समृद्ध हुआ है। स्वागत सम्मेलन के प्रधानमंत्री डॉ. उपेंद्रनाथ पाण्डेय ने किया। मौके पर डॉ. शंकर प्रसाद, डॉ. योगेश कृष्ण सहाय और डॉ. मनोज गोवर्धनपुरी ने विचार रखे। चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से शुरू कार्यक्रम में लघुकथा-गोष्ठी हुई, जिसमें किरण सिंह, डॉ. पूनम आनंद, डॉ. पुष्पा जमुआर, डॉ. विद्या चौधरी, मीरा श्रीवास्तव, डॉ. ऋचा वर्मा, डॉ. नीतू सिंह सहित कई साहित्यकारों ने लघुकथा-पाठ किया। संचालन ब्रह्मानंद पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन कृष्णरंजन सिंह ने किया।

पीएमसीएच को छोड़ अन्य अस्पतालों में एंटी-रेबीज वैक्सीन क्यों नहीं?

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने पीएमसीएच को छोड़ पटना और आसपास के अन्य सरकारी अस्पतालों में एंटी-रेबीज वैक्सीन की कथित कमी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कुत्ते या अन्य जानवरों के काटने के बाद समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन नहीं मिलना मरीजों के लिए गंभीर समस्या है। डॉ. पटेल ने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार सरकारी अस्पतालों में आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता की उम्मीद से पहुँचते हैं। ऐसे में यदि मरीजों को वैक्सीन के लिए अस्पताल से लौटना पड़े या निजी स्तर पर महंगी वैक्सीन खरीदनी पड़े, तो स्वास्थ्य व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पीएमसीएच में



वैक्सीन उपलब्ध होने की बात सामने आती है, लेकिन पटना सहित अन्य सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में इसकी नियमित उपलब्धता क्यों सुनिश्चित नहीं की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग को चाहिए कि मरीजों को उनके निकटतम सरकारी अस्पताल में समय पर वैक्सीन उपलब्ध हो। उन्होंने स्वास्थ्य

» सरकारी अस्पतालों में नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने की मांग

विभाग से सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी-रेबीज वैक्सीन के स्टॉक और वितरण की नियमित समीक्षा कर कमी वाले स्थानों पर तत्काल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही वैक्सीन की उपलब्धता और स्टॉक की जानकारी सार्वजनिक करने का आग्रह किया। डॉ. पटेल ने कहा, “कागज पर व्यवस्था नहीं, जमीन पर दवा चाहिए। जनता को भाषण नहीं, समय पर इलाज और अस्पताल में जरूरी दवा चाहिए।” उन्होंने सरकार से सभी अस्पतालों में एंटी-रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की।

वृद्धाश्रम में 111 महिलाओं को साड़ी, पुरुषों को अंगवस्त्रा



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर को गुलजारबाग स्थित सहारा वृद्धाश्रम में ‘मेरा युवा भारत’ की पटना जिला इकाई के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वृद्धजनों को सम्मानित करने के साथ उनके बीच समय बितारकर स्नेह और अपनत्व का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। वृद्धाश्रम में रहने वाली 111 महिलाओं को साड़ी तथा पुरुषों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा

कि बुजुर्गों को आर्थिक सहायता के साथ सम्मान, संवाद और अपनत्व की भी जरूरत है। इसके बाद वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में कविता और गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को भावपूर्ण बना दिया। आयोजन में ‘मेरा युवा भारत’ की पटना जिला युवा अधिकारी निशा साक्षी उनके बीच समय बितारकर स्नेह और अपनत्व का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। वृद्धाश्रम में रहने वाली 111 महिलाओं को साड़ी तथा पुरुषों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा

सड़क पर मत करो मस्ती जिंदगी नहीं है सस्ती : रौशन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने खुरसूरपुर पुलिस के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा अभियान चलाया। कार्यक्रम में उपस्थित थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हम सबको की जिम्मेदारी है। नवालिग गाड़ी चलते पकड़े जायेगे तो जन्म होगी वाहन और अविभावक पर होगी कारवाई। उन्होंने सीट बेल्ट , हेलमेट को अपने जीवन के सुरक्षा कबच के रूप में उपयोग करे। मत करो मस्ती जिंदगी नहीं है सस्ती के नारे के साथ युवाओं को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। मौके पर मौजूद बैकुंठधाम ओपी प्रभारी संतोष कुमार ने फाउंडेशन के इस अभियान की सराहना की और सहयोग का



» सड़क सुरक्षा कार्यक्रम

ऑफिसर सुरजित कुमार, स्नेहा कुमारी, मनोभा कुमारी, अशोक दास, ऋतिक राज वर्मा, सुनील कुमार, अजय राज, मनोज कुमार सिंह, अविनाश पांडेय, विकास कुमार, गौतम कुमार, रंजन कुमार, अंकित कुमार, राहुल कुमार , जुशुश कुमार, बजरंगी यादव समेत सैकड़ों स्वयंसेवक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रसोइयों की मांगों को लेकर बैठक

मोतिहारी।सुगौली प्रखंड के सुगांव विद्यालय परिसर में रविवार को विद्यालय रसोइया कल्याण संघ की बैठक संयोजक भोल्ला साह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सैकड़ों की संख्या में रसोइयों एवं उनके हितैषियों ने भाग लिया। इस दौरान रसोइयों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में बताया गया कि बीते 24 सितंबर को विद्यालय रसोइया कल्याण संघ, सुगौली शाखा की ओर से प्रखंड विकास पदाधिकारी के समक्ष आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग पत्र प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह बीडीओ को सौंपा गया था। मांग पत्र में रसोइयों की सेवा स्थायी करने, न्यूनतम 15 हजार रुपये मानदेय देने, एनजीओ के माध्यम से मध्याह्न भोजन की आपूर्ति बंद करने तथा रसोइयों के साथ हो रहे कथित अन्याय पर रोक लगाने की मांग की गई थी। संघ के अनुसार, मांग पत्र जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेज दिया गया है।बैठक में पटना हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका का भी मुद्दा उठाया गया। संघ के सदस्यों ने आरोप लगाया कि मामले की जांच के लिए सुगौली पहुंचे जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने एनजीओ संचालक से मिलीभगत कर जांच में लापरवाही बरती। आरोप लगाया गया कि अधिकारी एनजीओ के भोजन तैयार करने वाले स्थान पर जांच करने नहीं पहुंचे। इसको लेकर रसोइयों में काफी नाराजगी है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सोमवार को दोपहर दो बजे प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मध्याह्न भोजन, मोतिहारी का पुत्तला दहन किया जाएगा। बैठक में रामदेव राम, अनिता देवी सहित दर्जनों लोगों ने अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में नौ जिलों की टीमों ने लिया भाग

जमुई। भारत विकास परिषद, जमुई शाखा की ओर से रविवार को ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के सभागार में दक्षिण बिहार पूर्व क्षेत्र की प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें भगलपुर, बिहारशरीफ, बाढ़, मोकामा, बरबीचा, पटना, नवादा, दानापुर और जमुई की नौ टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी नवीन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। डीएम ने कहा कि राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता संगीत के माध्यम से राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र चेतना के संचार का सशक्त माध्यम है। सामूहिक गायन से बच्चों में एकता, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल का उपयोग रील बनाने के बजाय पढ़ाई और ज्ञानवर्धन के लिए करने की अपील की। परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने कहा कि प्रतियोगिता में हिंदी, संस्कृत के साथ क्षेत्रीय भाषाओं के गीतों को भी स्थान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की विविध भाषाएं और सांस्कृतिक परंपराएं राष्ट्रीय एकता की पहचान हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागी टीमों ने देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इस दौरान सचिव शंभू कुमार, कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार, डॉ. बाल्मीकि कुमार, डॉ. आशुतोष रंजन शरण, मुकुंद कुमार, जयंती सेंट सहित परिषद के पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और गणमान्य लोग मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन शंभू कुमार ने किया।

खाली पड़े क्षेत्रों को हरित क्षेत्र में बदलने का आह्वान

» 561वीं रविवारीय साइकिल यात्रा में युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील



जमुई। पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने और युवाओं को सामाजिक सेवकारों से जोड़ने के उद्देश्य से ‘साइकिल यात्रा एक विचार, जमुई’ संस्था की ओर से रविवार को 561वीं रविवारीय साइकिल यात्रा निकाली गई। श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम परिसर से शुरू हुई यात्रा नगर परिषद क्षेत्र के बिहारी मुहल्ला पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण के नारे लगाते हुए लोगों को हरियाली बढ़ाने के लिए जागरूक किया। यात्रा के दौरान संस्था के सदस्यों ने खाली, बंजर और अनुपयोगी जमीन को पौधारोपण के वृक्ष बनने तक संरक्षण जरूरी है। संस्थापक विवेक कुमार ने कहा कि हरियाली बढ़ाने में सरकार के साथ आम नागरिकों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। मौके पर गोलू कुमार, सीपू सिंह, राकेश कुमार, केपी शोयं, हर्ष कुमार सिन्हा सहित बड़ी संख्या में युवा व छात्र मौजूद थे।

कार से 587 लीटर से अधिक विदेशी

शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

» जमुई में उत्पाद विभाग की कार्रवाई, 68 कार्टन में 3,264 ट्रेडर पैक मिले



जमुई। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने मनिअड्डा के समीप लखीसराय की ओर से जमुई आ रही होंडा मोबिलिटी कार (डीएल 9सीयू/9712) से 587.520 लीटर विदेशी शराब बरामद की। मामले में राजस्थान निवासी चालक अरविन्द भारती को गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद विभाग के अनुसार, संदेह होने पर टीम ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने वाहन धामने की कोशिश की। टीम ने पीछा कर जेल के आगे अरारी गांव की ओर दिहोई नदी के समीप कार को पकड़ लिया। तलाशी में 68 कार्टन में रखे 180 एम्पल के कुल 3,264 ट्रेडर पैक बरामद हुए। गिरफ्तार चालक अरविन्द भारती, पिता नरसिंह भारती, धौलानाडा, खुबडूबेरी (आंडोल), थाना बाड़मेर, जिला बाड़मेर (राजस्थान) का निवासी है। उसके खिलाफ धमनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और स्रोतों की भी जांच की जा रही है।

राजयोग शिविर में आध्यात्मिकता की वास्तविक पहचान पर हुआ संवाद

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।शहर के भिखारी ठाकुर प्रेक्षगृह में रविवार को तीन दिवसीय राजयोग शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय काउंसलर ईवी गिरीश, सीपीएस ग्रुप के निदेशक डॉ. हरेंद्र सिंह, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी, छपरा जंक्शन के स्टेशन डायरेक्टर राजेश प्रसाद, बीके रानी बहन एवं बीके उर्मिला बहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर के पहले दिन ईवी गिरीश ने ‘आध्यात्मिकता की सत्य पहचान’ विषय पर कहा कि आध्यात्मिकता केवल पूजा-पाठ और धार्मिक कर्मकांड तक सीमित



नहीं है। इसकी वास्तविक पहचान व्यक्ति के विचार, व्यवहार और कर्म में दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मन की शांति आध्यात्मिकता

की पहली पहचान है। परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति को अपने भीतर शांति और संतुलन बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि

पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि एवं सार्वजनिक भोग कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। सिमराही बाजार (बिहार) स्थित शांति भवन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, सिमराही बाजार के ओम शांति भवन में पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में अपने लौकिक एवं अलौकिक पितरों की स्मृति में सार्वजनिक भोग एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बबीता दीदी, सिमराही नगर पंचायत वार्ड नंबर 17 के वार्ड पार्षद सार कुमार यादव, इंजीनियर मनोज कुमार, प्रधानाचार्य दिबाकर यादव, अवध मेहता, रामफल साह, ब्रह्माकुमारी पूजा बहन, रेनु बहन, बीना बहन, सीता देवी, रागिनी देवी, इंददेव चौधरी, सावित्री देवी तथा ब्रह्माकुमार किशोर भाईजी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों एवं उपस्थित भाई-बहनों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित



करके किया गया। इसके पश्चात सभी ने अपने-अपने पितरों की स्मृति में हाथों में कैंडिल लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बबीता दीदी ने कहा कि पितृ पक्ष हमें अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं शुभभावना रखने की प्रेरणा देता है। आध्यात्मिक दृष्टि से परमात्मा शिव का स्मरण करते हुए आत्मिक शांति एवं सकारात्मक संकल्पों का

दान देना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के पश्चात सभी उपस्थित लोगों के लिए सार्वजनिक भोग एवं ब्रह्मा भोजन की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में शांति देवी, पूजा कुमारी, डॉ. सी. डी. चौधरी, रिचा कुमारी सहित अनेक श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों की भी सहभागिता रही। समस्त कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, शांति, प्रेम एवं आध्यात्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत रहा।

विधानसभा में उठेगा ग्रामीण पत्रकारों की सुरक्षा का मुद्दा

शंकर प्रसाद यादव व विधायक संजय सिंह ने दिलाया भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस

कांठी/मुजफ्फरपुर।मुजफ्फरपुर जिले के सरैया स्थित आमंत्रण रिसॉर्ट में मीडिया फॉर बॉर्डर हामोंनी, भारत-नेपाल के पत्रकार संगठन की ओर से ‘हमारी आवाज’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, समस्तीपुर, फारबिसगंज समेत विभिन्न जिलों से पहुंचे पत्रकारों ने पत्रकार हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। पत्रकारों की ओर से रखे गए सुझावों को मांग-पत्र के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे ध्वनि मत से पारित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पारू विधायक शंकर राय ने कहा कि सूचना तंत्र की वास्तविक रीढ़



प्रखंड स्तर के पत्रकार हैं। पहले पत्रकारिता का केंद्र अनुमंडल तक सीमित था, लेकिन अब प्रखंड स्तर पर बड़ी संख्या में पत्रकार सक्रिय होकर जनता की समस्याओं और समस्या की समझौता और सरकारी योजनाओं की जानकारी सारमें ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और पेंशन से

जुड़े मुद्दे को सरकार के समक्ष रखने के साथ विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाने का प्रयास करेंगे। लालगंज विधायक संजय सिंह ने भी पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया। पत्रकारों की प्रमुख मांगें- बिहार

पत्रकार संरक्षण आयोग का गठन कर पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों का संरक्षण किया जाए। ग्रामीण एवं प्रखंड स्तर पर कार्यरत पत्रकारों को मान्यता प्राप्त पत्रकार का दर्जा दिया जाए। मान्यता आवेदन में जिला व अनुमंडल के साथ प्रखंड का कॉलम जोड़ा जाए और कोटा सिस्टम समाप्त किया जाए। 58 वर्ष की आयु पार कर चुके वरिय पत्रकारों को पत्रकार पेंशन योजना में शामिल किया जाए, ताकि लंबे समय तक पत्रकारिता करने वालों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। सरकार की लोककल्याणकारी नीतियों की जानकारी पत्रकारों तक पहुंचाने के लिए प्रेस क्लबों का नियमित संचालन किया जाए। प्रत्येक जिले के प्रेस क्लब में जिला प्रशासन की ओर से मासिक पत्रकार गोष्ठी आयोजित

की जाए। पत्रकारों को आकस्मिक परिस्थितियों में आर्थिक सहायता देने कोष गठित किया जाए। कार्यक्रम में जिला पार्षद विपिन शाही, मुखिया प्रतिनिधि चिदानंद द्विवेदी, जिला पार्षद प्रतिनिधि मुन्ना राइन, कार्यालय प्रभारी सुमित कुमार, वैशाली जिला अध्यक्ष प्रभात कुमार और मोतिहारी जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में नर्वेंदु कुमार, पणू कुमार सिंह, राजा कुमार शाह, सतिश कुमार, शैलेंद्र कुमार, नवीन कुमार, समरजोत कुमार, विपिन शाही, ललन सिंह, रामकिंकर मिश्रा, अजीत कुमार, रोजन तिवारी, मुकेश कुमार सिंह, सत्येंद्र कुमार सिंह, विश्वनाथ चौधरी, राहुल कुमार, विनोद कुमार, सुनील कुमार

मुस्लिम, निखिल, नियाज आलम, शिवेश झा, मृत्युंजय पांडे, पंकज, राकेश, मनोज कुमार राय, शशि भूषण सिंह, मुन्ना कुमार, राजेश कुमार, शिवनाथ कुमार साहनी, रजनीश कुमार, बृजेश कुमार, जाहिर वारसी, प्रशांत कुमार क्रांतिकारी, मोहन कुमार, सुधांशु, अनिरुद्ध राजा, कृति, आनंद कुमार, नवनीत कुमार, महुआ से मुन्ना कुमार, बालेंद्र शाह, राकेश कुमार, रोहित रंजन, संतोष कुमार, नागमणि, नीलमणि और संतोष कुमार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीडिया फॉर बॉर्डर हामोंनी मुजफ्फरपुर जिला अध्यक्ष रंजन कुमार ने की। संचालन वरिष्ठ पत्रकार अमरेंद्र तिवारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कृत्यानंद सिंह ने किया।

सदर अस्पताल में दो मौतों से मचा हड़कंप

नई सोच एक्सप्रेस



जमुई। जमुई सदर अस्पताल में शनिवार रात से रविवार सुबह के बीच गर्भवती महिला और प्रसूता की मौत ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। दोनों मामलों में परिजनों ने इलाज में लापरवाही और ड्यूटी पर महिला चिकित्सक के मौजूद नहीं रहने का आरोप लगाया। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के मुख्य द्वार के पास शव रखकर हंगामा किया और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। खैरा के नरियाना गांव निवासी 28 वर्षीय अनिता कुमारी को प्रसव पीड़ा के बाद खैरा स्वास्थ्य केंद्र से सदर अस्पताल रेफर किया गया था। परिजनों के अनुसार रात करीब 11 बजे अस्पताल पहुंचने के बाद महिला चिकित्सक की उपलब्धता को लेकर परेशानी हुई। हालात बिगड़ने पर रविवार सुबह करीब पांच बजे उसकी मौत हो गई। दूसरे मामले में चौहानडीह गांव की 26 वर्षीय आस्था कुमारी का शनिवार को सदर अस्पताल में ओपरेशन से प्रसव हुआ था। उसने बेचैनी को जन्म दिया। रात में अचानक तबीयत बिगड़ी। उपचार के

बाद कुछ समय हुआ, लेकिन रविवार सुबह करीब 10 बजे उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही खेल एवं उद्योग मंत्री सह जमुई विधायक श्रेयसी सिंह अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने परिजनों से जानकारी ली और चिकित्सकों से पूछताछ की। महिला चिकित्सक की कथित अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई और एफआईआर की मांग की। मंत्री ने डीएम नवीन कुमार से मिलकर निष्पक्ष जांच की मांग की। डीएम ने जांच समिति गठित कर दी है। समिति ड्यूटी रोस्टर, उपचार संबंधी रिकॉर्ड और घटना की परिस्थितियों की जांच करेगी। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ.

» गर्भवती और प्रसूता की मौत पर परिजनों का हंगामा, महिला डॉक्टर की कथित गैरहाजिरी पर भड़की मंत्री श्रेयसी सिंह

» डीएम ने जांच समिति गठित की, लापरवाही साबित होने पर कार्रवाई का आश्वासन

थनिस कुमार ने कहा कि आरोप सही पाए जाने पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई होगी। फिलहाल मौतों के वास्तविक कारण और कथित चिकित्सकीय लापरवाही की पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही होगी।

संक्षिप्त समाचार

देवरिया में बंद घर से 10 लाख के जेवर और एक लाख रुपए ले भागे चोर

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। नगर थाना क्षेत्र के देवरिया मोहल्ले में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। गृहस्वामी जितिया पर्व पर परिवार के साथ अपने पैतृक गांव गए थे। इसी दौरान चोर घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और कमरों में रखे सामान को खंगाल दिया। देवरिया मोहल्ला निवासी अरुण कुमार सिंह व्यवसाय करते हैं। जितिया पर्व को लेकर वह परिवार के साथ मखदुमपुर प्रखंड के बंदि्या स्थित अपने पैतृक गांव गए थे। घर में ताला लगा हुआ था। इसी दौरान चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। घटना की जानकारी पड़ोसियों से मिलने के बाद अरुण कुमार सिंह वापस जहानाबाद पहुंचे। घर पहुंचने पर मुख्य दरवाजे और कमरों के ताले टूटे मिले। अंदर जाने पर सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने डायल-112 और नगर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। अरुण कुमार सिंह के अनुसार, चोर घर से करीब 10 लाख रुपए से अधिक के जेवरात, एक लाख रुपए नकद, बर्तन और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि वर्षों की मेहनत से घर में धीरे-धीरे सामान और जेवर जुटाए थे। चोरी के बाद परिवार के लोग सदमे में हैं। चोरी गए सामान की वास्तविक कीमत का आकलन पुलिस को दिए जाने वाले आवेदन और जांच के बाद स्पष्ट होगा। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। नगर थानाध्यक्ष उमेश कुमार ने बताया कि चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच की जा रही है। जरूरत पड़ने पर स्कॉर्ड डॉग की भी मदद ली जाएगी। पुलिस ने गृहस्वामी से चोरी गए सामान की पूरी सूची के साथ लिखित आवेदन देने को कहा है। वहीं, घटना के बाद मोहल्ले के लोगों ने रात में पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है। स्थानीय निवासी संजय कुमार यादव ने कहा कि पर्व-त्योहार के दौरान कई लोग घर बंद कर गांव चले जाते हैं। ऐसे में बंद मकानों की सुरक्षा के लिए पुलिस की नियमित गश्ती जरूरी है।

बसपा नेता संतोष कुमार के घर पुत्र का जन्म,बधाइयों का लगा तांता

» **सदर अस्पताल भभुआ में मिल रही बेहतर सुविधाएं, संतोष कुमार**



कैमूर।मातोश्री पाना भवन में 30 सितंबर को सदर अस्पताल भभुआ में श्रीमती अनीता कुमारी ने ऑपरेशन के द्वारा पुत्र को जन्म दिया। जन्म के बाद परिवार में उत्साह का माहौल है।बताया जाता है की हरि नारायण राम के पुत्र संतोष कुमार बहुजन समाज पार्टी के बिहार स्टेट के मुख्य जोन प्रभारी हैं।बसपा नेता संतोष कुमार के घर पुत्र जन्म होने पर सामाजिक कार्यकर्ताओं, जन-प्रतिनिधियों,कानूनविदों, शिक्षकों सहित समाज संबंधियों द्वारा बधाई दी जा रही है।पुत्र प्राप्ति पर बसपा नेता संतोष कुमार ने कहा कि बेटा देश के लिए समर्पित रहेगा।तो वही दूसरी ओर उन्होंने सदर अस्पताल भभुआ में मिलने वाली सुविधाओं का भी सराहना किया। तथा सभी क्षेत्र वासियों से सदर अस्पताल में इलाज करवाने का अपील भी किया है।

एथेनॉल प्लांट चकाई के विकास में मील का पत्थर साबित होगा : विजय सिंह

चकाई।चकाई में निर्माणाधीन एथेनॉल प्लांट क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इससे चकाई की न सिर्फ औद्योगिक पहचान बनेगी बल्कि रोजगार के भी बड़े अवसर पैदा होंगे। उक्त बातें भागलपुर के विधान परिषद सदस्य विजय सिंह ने शनिवार को उरवा स्थित निर्माणाधीन एथेनॉल प्लांट में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि एथेनॉल प्लांट के शुरू होने के बाद चकाई जल्द ही देश के औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित होगा। चकाई जैसे क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा अनाज आधारित एथेनॉल प्लांट लगना बड़ी उपलब्धि है। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 30 से 40 हजार लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। विजय सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में चकाई में तीन-चार और उद्योग स्थापित होने की संभावना है। स्टील प्लांट और प्लास्टिक प्लांट लगाने के लिए कई कंपनियों कागार में हैं। उद्योगों के लिए सरकार की ओर से आवश्यक आधारभूत संरचना जमीन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल प्लांट में औद्योगिक विकास का प्रयास लंबे समय से किया जा रहा था लेकिन अब यह प्रयास धरातल पर उरतरा दिख रहा है। एथेनॉल प्लांट की स्थापना से क्षेत्र में उद्योगों के लिए रास्ता खुलेगा और चकाई की तस्वीर बदलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी चकाई में औद्योगिक विकास को लेकर लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनके प्रयास से उत्साहित होकर वे लोग मुख्यमंत्री को साधुवाद देने कार्यक्रम में पहुंचे हैं।

CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने निकाला प्रतिरोध मार्च



समस्तीपुर।पूना प्रखंड के मोरसंड पंचायत के बिरोली चौक स्थित शैलेश बाबा स्थान परिसर से शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग की कार्यशाला, SIR और मतदाता सूची से जुड़े सवाल, CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची में बदलाव, SIR की प्रक्रिया और चुनाव आयोग के गलत निर्णयों के खिलाफ जिला संयोजक राम कुमार जिला संरक्षक सुनील कुमार सुमन, प्रखंड संयोजक राजीव कुमार राय के नेतृत्व में प्रतिरोध मार्च निकाला गया। जो विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए मोरसंड चौक पर सभेतिाक सड़क हड़ताल कर सभा में तब्दील हो गया। सभा को जिला संयोजक राम कुमार, जिला संरक्षक सुनील कुमार सुमन, प्रखंड संयोजक राजीव कुमार राय, मनोज कुमार,महिला नेत्री रेखा कुमारी,युवा नेता मोहम्मद नुरन ताय, छात्र नेता कृष्ण कुमार,दिनेश कुमार सिंह,वीरेंद्र जी, मुंशी लाल राय, अशर्फी पासवान, मिश्री लाल पासवान, सुबोध कुमार पासवान, विश्वनाथ ठाकुर, श्याम राय,महेश कुमार सिंह ,शंकर सिंह समेत कई अन्य नेता कार्यकर्ता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक संगठन का चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।

ऐसे आयोजनों से बढ़ता है आपसी भाईचारा, नई पीढ़ी को मगध के इतिहास से जोड़ना जरूरी-विकास वैभव

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। मगही भाषा, मगध के इतिहास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से गांधी मैदान स्थित रेडक्रॉस भवन में मगही चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मगहिया समाज आऊ मगही चौपाल परिवार की ओर से किया गया। चौपाल में मगध के इतिहास, संस्कृति तथा मगही भाषा के विकास और संरक्षण को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम में मगध रैंज के आईजी विकास वैभव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मगध से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाकर मगही चौपाल का आयोजन करना अच्छी पहल है। ऐसे आयोजनों से मगध के लोगों के बीच आपसी संवाद और भाईचारा मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि मगध का इतिहास काफी समृद्ध और गौरवशाली रहा है। मगध को समझने के लिए यहां के इतिहास, संस्कृति, परंपरा और भाषा को जानना जरूरी



है। आईजी ने कहा कि मगही भाषा मगध की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके संरक्षण के लिए समाज के सभी लोगों को मिलकर प्रयास करना होगा। खासकर नई पीढ़ी को अपनी भाषा और विरासत से जोड़ना जरूरी है, ताकि मगही भाषा और मगध की सांस्कृतिक पहचान आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सके। चौपाल में वक्ताओं ने मगही भाषा के विकास, संरक्षण और इसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर

अपने विचार रखे। साथ ही मगध की ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि मगही चौपाल का उद्देश्य मगही भाषा और मगध की विरासत को लेकर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को एक साझा सांस्कृतिक मंच उपलब्ध कराना है।

लवानी में पिकअप से 1135 लीटर विदेशी शराब बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। दरभंगा जिले के बहेड़ा थाना क्षेत्र में वैध शराब के निर्माण, भंडारण, सेवन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए बहेड़ा थाना पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के लवानी गांव स्थित एक गाछी में छापेमारी कर पिकअप वाहन से 1135 लीटर विदेशी शराब बरामद की। बहेड़ा थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लवानी गांव में छापेमारी की। इस दौरान शराब लदा पिकअप वाहन बरामद किया गया। हालांकि पुलिस की कार्रवाई के दौरान चालक



और शराब तस्कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शराब और पिकअप वाहन को जप्त कर लिया है। फरार चालक एवं तस्कर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

ढाका में जाम के खिलाफ युवाओं की भूख हड़ताल, एसडीओ के आश्वासन पर टूटा अनशन

नई सोच एक्सप्रेस

सिकरहना। ढाका बाजार में आए दिन लग रहे जाम की समस्या को लेकर रविवार को युवाओं ने भूख हड़ताल शुरू की। जाम से मुक्ति और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग को लेकर युवा अनशन पर बैठे थे।भूख हड़ताल की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। करीब दोपहर एक बजे एसडीओ विजय कुमार एवं ढाका थाना अध्यक्ष राजरूप राय मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने अनशन पर बैठे युवाओं से बातचीत कर उनकी मांगों की जानकारी ली। युवाओं ने अधिकारियों के समक्ष ढाका बाजार में लगातार लग रहे जाम की समस्या को प्रमुखता से रखा।उन्होंने कहा कि जाम के कारण आम लोगों, दुकानदारों और राहगीरों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है।युवाओं ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाने की मांग की।एसडीओ विजय कुमार



ने युवाओं को जाम की समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।प्रशासन के आश्वासन के सहित अन्य युवा शामिल रहे।युवाओं ने कहा कि प्रशासन के आश्वासन पर उन्हें भरोसा है और अब जाम की समस्या के समाधान की उम्मीद है।

विधिज्ञ संघ ने वरीय अधिवक्ता राकेश ठाकुर को किया सम्मानित



नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता राकेश ठाकुर को बिहार सरकार द्वारा अधिवक्ता नियुक्त किए जाने पर सुगौली में सम्मानित किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता रामगोपाल खंडेलवाल के आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में अंगवस्त्र एवं बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता रामगोपाल खंडेलवाल, भालपा जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष गंगाप्रम, कोषाध्यक्ष संजय पंसु, बृजकिशोर पासवान, अछेलाल पासवान, रंजीत राम, विपिन गुप्ता, राववेंद्र प्रसाद

एवं अशोक सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।रामगोपाल खंडेलवाल ने कहा कि राकेश ठाकुर की नियुक्ति सुगौली एवं चंपारण के लिए गौरव की बात है। उनकी विधिक दक्षता और अनुभव का लाभ न्यायिक क्षेत्र को मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति युवाओं और अधिवक्ता समाज के लिए भी प्रेरणादायक है।भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा ने कहा कि राकेश ठाकुर को मिली नई जिम्मेदारी उनके लंबे विधिक अनुभव और प्रतिभा का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि वे अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करते हुए न्याय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

दो दिवसीय सुगौली महोत्सव का भव्य समापन,मेडल और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित हुई प्रतिभाएं

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली नगर के विशुनपुरवां रोड स्थित राजा साह राम ज्योति देवी विवाह भवन में रविवार को दो दिवसीय सुगौली महोत्सव सह प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य समापन हुआ।महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल,मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह,उमंग और बच्चों की प्रतिभा का शानदार संगम निदेश को मिला।कार्यक्रम का उद्घाटन मधुआरा आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी,मोतिहारी सदर के एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह,रुद्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर नितेश,कार्यक्रम के संरक्षक और नगर उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा,डॉ. प्रमोद स्टीफन,भाजपा जिला उपाध्यक्ष सपना शर्मा,व्यवसायी संघ के अध्यक्ष अशोक गुप्ता और कै-टू क्लारेंज के निदेशक कनक केसरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर आयोजनकर्ता कुन्दन मिश्रा



एवं कार्यक्रम के संरक्षक विकास शर्मा ने अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनका भव्य स्वागत किया।महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने नुरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया।वहीं नशामुक्ति के संदेश पर आधारित बच्चों की पेंटिंग और मां दुर्गा की आकर्षक रंगोली ने अतिथियों का मन मोह लिया।बच्चों की कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मक सोच की उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की।प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मंच पर मेडल,मोमेंटो और प्रशस्ति

पत्र देकर सम्मानित किया गया।छोटे-छोटे बच्चों की उपलब्धियों को देखकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और उनमें आगे बेहतर प्रदर्शन करने का उत्साह दिखाई दिया।मुख्य अतिथि मधुआरा आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी और एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं।खेलकूद,कला और सांस्कृतिक गतिविधियों से बच्चों का आत्मविकास बढ़ता है तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की

विधायक ने सीएम से की चकाई को अनुमंडल का दर्जा देने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

चकाई।चकाई के उरवा स्थित एथेनॉल प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के समक्ष शनिवार को चकाई विधायक सावित्री देवी ने चकाई को अनुमंडल का दर्जा देने की मांग प्रमुखता से रखी। विधायक ने मुख्यमंत्री का चकाई की धरती पर स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास से जुड़ी नौ सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा और आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया। विधायक ने कहा कि चकाई क्षेत्र में आदिवासी महादलित दलित और पिछड़े वर्ग की बड़ी आबादी निवास करती है। क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में युवक-युवतियों को रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशों में पलायन करना पड़ता है। ऐसे में चकाई को अनुमंडल का दर्जा मिलने से प्रशासनिक सुविधाओं के साथ क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने उरवा में निर्माणाधीन एथेनॉल प्लांट में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रबंधन को आवश्यक निर्देश देने की मांग मुख्यमंत्री से की। साथ ही एथेनॉल प्लांट के अलावा चकाई में अन्य उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देने का आग्रह किया। ज्ञापन में अनुसूचित जनजाति कन्या



आवासीय विद्यालय अंबेडकर आवासीय विद्यालय नर्सिंग कॉलेज आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना की मांग भी शामिल है। विधायक ने रेफरल अस्पताल चकाई को अनुमंडलीय अस्पताल का दर्जा देने तथा प्रखंड सोनो को अकाल क्षेत्र और चकाई को सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। विधायक ने कहा कि इन मांगों पर सकारात्मक पहल होने से चकाई में शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार और प्रशासनिक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्र के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा

जदयू प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

कटिहार। जनता दल (यूनाइटेड) व्यवसाय एवं उद्योग प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक रविवार को कटिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए मुख्य अतिथि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक विशाल कुमार साह ने कटिहार जिले में संगठन को और अधिक गतिशील बनाने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को प्रखंड एवं वार्ड स्तर तक संगठनिक गतिविधियों को प्रभावी बनाने तथा अधिक से अधिक व्यवसायियों एवं उद्योग जगत से जुड़े लोगों को प्रकोष्ठ से जोड़ने का स्पष्ट निर्देश दिया। बैठक की अध्यक्षता जदयू व्यवसाय एवं उद्योग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष निरंजन पोद्दार ने की, जबकि मंच संचालन महानगर अध्यक्ष जिम्मी अग्रवाल ने किया।



कार्यक्रम के आरंभ में व्यवसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्य अतिथि विशाल कुमार साह सहित सभी आगंतुक अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। एनडीए सरकार की व्यापारी हितैषी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विशाल कुमार साह ने कहा कि एनडीए सरकार व्यापार और उद्योग के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बैठक में

न्यायालय कर्मी विक्रम कुमार सिंह के निधन पर शोकसभा



नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। व्यवहार न्यायालय, बेनीपुर (दरभंगा) में कार्यरत लिपिक विक्रम कुमार सिंह के असामयिक निधन पर न्यायिक पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिन्ट का मौन रखा। इस दौरान न्यायालय कर्मियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। बताया गया कि विक्रम कुमार सिंह जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम ऋषि गुप्ता के बेनीपुर स्थित न्यायालय में लिपिक के पद पर कार्यरत थे। देर शाम उनके निधन की सूचना मिलते

ही न्यायालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। सहकर्मियों ने बताया कि वे विनम्र एवं मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके असामयिक निधन से न्यायालय परिवार शोक संतप्त है। बताया गया कि लहेरियासराय के दारू भट्टी चौक से अपने घर बेलगार्गज जाने के दौरान सड़क पर गिरने से उनकी मौत हो गई। श्रद्धांजलि सभा में मौजूद न्यायिक पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने ईश्वर के दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं सहनशक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

» खेलकूद,पेंटिंग,रंगोली और अन्य प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा.अतिथियों ने बढ़ाया उत्साह

प्रेरणा मिलती है।ऐसे आयोजनों से बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है।दो दिवसीय सुगौली महोत्सव ने बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ ही शिक्षा,खेल,कला और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया।नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बच्चों की पेंटिंग ने समाज के सकारात्मक संदेश दिया।आयोजन के समापन पर प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम में 'आपन माटी आपन पार्टी' के संस्थापक जितेंद्र तिवारी,हरिनारायण तिवारी,जीआरपी प्रभारी विजय झा,कै-टू क्लारेंज के प्राचार्य रवि प्रकाश,रेडियंट पब्लिक स्कूल के प्राचार्य हर्ष श्रीवास्तव,शिक्षक मुना गिरी,रस्मम आलम सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान

रोज काम मिले न मिले, सालाना सहायता से परमेश्वर के परिवार को मिल रहा आर्थिक सहारा। भूमिहीन परमेश्वर मजदूरी कर चला रहे चार सदस्यीय परिवार। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से मिल रहे 10 हजार रुपए। बच्चों के पालन-पोषण और खेल्तू जरूरतों में काम आ रही सहायता राशि।। रोज काम की तलाश और उसी मजदूरी से परिवार का गुजारा। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकालो, भाटपारा के रहने वाले परमेश्वर की आजीविका इसी दैनिक मजदूरी पर निर्भर है। उनके पास स्वयं की जमीन नहीं है। ऐसे में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत मिलने वाली 10 हजार रुपए की सहायता उनके चार सदस्यीय परिवार के लिए जरूरत के समय आर्थिक सहारा बन रही हैं। परमेश्वर बताते हैं कि वे जहां काम मिलता है, वहां मजदूरी कर लेते हैं और उसी कमाई से परिवार की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करते हैं। परिवार में चार सदस्य हैं और बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी इसी आय से पूरी होती है। मजदूरी से होने वाली सीमित आमदनी के बीच योजना से मिलने वाली राशि से परिवार को अतिरिक्त आर्थिक मदद मिल रही है। भूमिहीन परिवार के लिए मददगार बनी सहायता: स्वयं की जमीन नहीं होने के कारण परमेश्वर के पास खेती से आय का कोई साधन नहीं है। उनकी आजीविका मजदूरी पर ही निर्भर है। वे बताते हैं कि भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए मिलने वाली सहायता राशि से घर की आवश्यकताओं और बच्चों के पालन-पोषण में काफी मदद हो जाती है। परमेश्वर कहते हैं, “भरे पास कोई जगह-जमीन नहीं है। रोज की मजदूरी कराके कमाते हैं। परिवार में चार सदस्य हैं। कहीं-कहीं काम कर लेते हैं और उसी से घर चलता है। योजना से 10 हजार रुपए मिलते हैं, उससे बहुत मदद हो जाती है।। बाल-बच्चों को पालने में भी यह पैसा काम आता है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आई परमेश्वर की कहानी बताती है कि भूमिहीन एवं मजदूरी पर निर्भर परिवार के लिए आर्थिक सहायता किस तरह दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सहयोगी बन रही है। नियमित आय का साधन नहीं होने के बीच योजना से मिलने वाली राशि परिवार के खर्च में उपयोगी साबित हो रही है। परमेश्वर ने योजना से मिल रही सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि हम भूमिहीन परिवारों के लिए शासन की योजना संवत प्रदान कर रही है।

एसआईआर पर सियासत : चुनाव आयोग पर सवाल या लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव?



आरती कुमारी

मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। किसी भी लोकतंत्र में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि मतदान का अधिकार वास्तविक और पात्र नागरिकों को मिले तथा मृत, स्थानांतरित अथवा अपात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में न रहें। इसी उद्देश्य से चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर आज जिस प्रकार का राजनीतिक विवाद खड़ा किया गया है, उसने चुनाव सुधार के मूल प्रश्न को पीछे धकेलकर इसे राजनीतिक संघर्ष का मुद्दा बना दिया है। एक प्रमुख अंग्रेजी समाचार-पत्र में प्रकाशित खबर के आधार पर यह दावा किया गया कि चुनाव आयोग को दो सदस्यों कमलजीत संधू और डॉ. विवेक जोशी ने एसआईआर से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर कई बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं। लेकिन केवल किसी निर्णय पर असहमति दर्ज होना अपने आप में किसी संवैधानिक संस्था की विफलता का प्रमाण कैसे हो सकता है? लोकतांत्रिक संस्थाओं में विचार-विमर्श और असहमत स्वभाविक प्रक्रिया है। महत्वपूर्ण प्रश्न यह होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया के तहत हुआ और क्या वह विधिरममत था।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस पूरे विवाद को लेकर विपक्ष के एक बड़े वर्ग ने चुनाव आयोग और विशेष रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सीधे राजनीतिक निशाने पर ले लिया। राहुल गांधी द्वारा उनके संदर्भ में गिरफ्तारी की बात करना, अरविंद केजरीवाल द्वारा मुकदमा चलाने की मांग करना और कुछ अन्य नेताओं द्वारा अत्यंत आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करना लोकतांत्रिक विमर्श की गरिमा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के किसी निर्णय से असहमति हो सकती है, उसके खिलाफ राजनीतिक और कानूनी सवाल भी उठाए जा सकते हैं, लेकिन गिरफ्तारी, जेल और हिंसा जैसी भाषा क्या लोकतांत्रिक बहस को मजबूत करती है? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता केवल सत्ता पक्ष के लिए नहीं, विपक्ष के लिए भी जरूरी है। आज जो दल सत्ता में है, वे कल विपक्ष में हो सकते हैं और आज जो विपक्ष में है, वे भविष्य में सत्ता में आ सकते हैं। इसलिए किसी भी संवैधानिक संस्था को अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार स्वीकार या अस्वीकार करना लोकतंत्र के लिए स्वस्थ परंपरा नहीं हो सकती। यदि चुनाव आयोग पर आरोप यह है कि वह भारतीय जनता पार्टी या एनडीए के पक्ष में मतदाता सूची से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है, तो इसके समर्थन में ठोस और क्षेत्रवार प्रमाण सामने आने चाहिए। केवल चुनावी पराजय को ‘वोट चोरी’ का परिणाम बताना पर्याप्त नहीं हो सकता। अगर चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा को हर चुनाव में लाभ मिल रहा है, तो फिर तमिलनाडु जैसे राज्यों में भाजपा की स्थिति कमजोर क्यों है? केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में विपक्षी

दलों की सरकारें या मजबूत राजनीतिक उपस्थिति कैसे बनी? उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी इस बहस को समझने में उपयोगी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 37 सीटें मिलीं, जबकि 2019 में उसका प्रदर्शन इससे कहीं बेहतर था। राष्ट्रीय स्तर पर भी 2014 और 2019 में पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली भाजपा 2024 में 240 सीटों पर आ गई। यदि चुनाव आयोग के स्तर पर एकातरफा ‘वोट चोरी’ का तंत्र काम कर रहा होता, तो चुनावी परिणामों में इतनी व्यापक विविधता और उतार-चढ़ाव की व्याख्या कैसे की जाती? विपक्ष का एक अन्य आरोप राजनीतिक दलों के विभाजन और चुनाव चिन्हों से जुड़ा है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन तथा चुनाव चिन्हों को लेकर चुनाव आयोग के निर्णयों को विपक्ष ने सत्ता के प्रभाव से जोड़कर देखा। पश्चिम बंगाल में भी ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं। लेकिन यहां इतिहास को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस स्वयं अपने इतिहास में संगठनात्मक विभाजन और चुनाव चिन्ह से जुड़े विवादों से गुजर चुकी है। कांग्रेस के चुनाव चिन्ह में समय-समय पर बदलाव हुए और अंततः ‘हाथ’ उसका चुनाव चिह्न बना। इसलिए चुनाव आयोग के किसी निर्णय को केवल वर्तमान राजनीतिक समीकरणों के आधार पर तस्वीर पेश नहीं करता। एसआईआर को लेकर सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि मतदाता सूची से हटने वाला प्रत्येक नाम किस राजनीतिक दल के समर्थक है, यह चुनाव आयोग कैसे तय करेगा? यदि किसी मतदाता का नाम इसलिए हटाया गया कि वह मृत है, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुका है या निर्धारित प्रक्रिया के तहत पात्र नहीं

पाया गया, तो उसे किसी दल के वोट के रूप में वगैरह करना अपने आप में राजनीतिक अनुमान है। मतदाता लोकतंत्र में किसी दल की निजी संपत्ति नहीं है। यहां विपक्ष को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि उसका वास्तविक विरोध मतदाता सूची के पुनरीक्षण से है या पुनरीक्षण की प्रक्रिया से। यदि प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उन्हें प्रमाण सहित सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटया गया है तो उसके लिए प्रभावी शिकायत और अपील की व्यवस्था को मजबूत करने की मांग होनी चाहिए। लेकिन पूरी प्रक्रिया को ही ‘वोट चोरी’ कहना समाधान नहीं है। चुनाव आयोग की कार्यणाली पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है। मगर यह भी याद रखना होगा कि आयोग में निर्णय किसी एक व्यक्ति की इच्छा से नहीं होते। यदि किसी मुद्दे पर सदस्यों के बीच मतभेद होता है तो उसका समाधान संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से होता है। ऐसे में किसी सामूहिक निर्णय के लिए केवल मुख्य चुनाव आयुक्त को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराना तार्किक नहीं कहा जा सकता। दिलचस्प बात यह है कि जिन चुनाव आयुक्तों को आज विपक्ष अपने पक्ष में उद्धृत कर रहा है, उनके चयन के समय राजनीतिक विरोध की स्थिति अलग थी। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता व्यक्ति और परिस्थिति के अनुसार तय होगी? जब कोई अधिकारी सरकार के विरुद्ध निर्णय करता है तो वह निष्पक्ष और स्वतंत्र माना जाए तथा वही अधिकारी किसी ऐसे निर्णय में शामिल हो तो विपक्ष को पसंद न आने और वह सरकार का ‘एजेंट’ हो जाए क्या यह दृष्टिकोण संस्थाओं की गरिमा बढ़ाता है?

आयोग की स्वतंत्रता को लेकर भी गंभीर विवाद सामने आए थे। नवीन चावला की नियुक्ति का प्रसंग इसका प्रमुख उदाहरण माना जाता है। तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी ने उनके खिलाफ आपत्ति जताई थी और उनके हटाए जाने की सिफारिश तक की थी। यह प्रसंग आज भी चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को लेकर होने वाली बहस में उद्धृत किया जाता है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि राजनीतिक दल अपने अतीत की कसौटी पर भी वर्तमान आरोपों को परखें। सवाल केवल चुनाव आयोग का नहीं है। देश में निर्वाचन आयोग, न्यायपालिका, संसद, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, जांच एजेंसियां और अन्य संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक ढांचे की रीढ़ हैं। इनके फैसलों की आलोचना होनी चाहिए, लेकिन संस्थाओं को लगातार कटघर में खड़ा करने से अंततः जनता का भरोसा कमजोर होता है। किसी भी राजनीतिक दल को यह अधिकार नहीं होना चाहिए कि अनुकूल फैसला आने पर संस्था को निष्पक्ष और प्रतिकूल फैसला आने पर उसे पक्षपाती घोषित कर दे। राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है। लेकिन आज जिस प्रकार ‘डबीएम हैक’, ‘वोट चोरी’ और संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग जैसे आरोप लगातार राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाए जा रहे हैं, उससे एक गंभीर खतरा पैदा होता है। यदि किसी चुनाव में पराजय होती है तो उसका विश्लेषण संगठन, उम्मीदवार, जनसमर्थन, स्थानीय मुद्दों और राजनीतिक रणनीति के आधार पर होना चाहिए। हर हार का कारण चुनावी बल्लेबाजी बताने से राजनीतिक दल अपनी जवाबदेही से बच सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र मजबूत नहीं होता। इसी तरह सत्तापक्ष को भी यह समझना होगा

कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल विपक्ष के आरोपों का जवाब देकर नहीं, बल्कि पूर्ण पारदर्शिता से कायम होगी। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में किसी पात्र मतदाता का नाम न कटे, दावों-आपत्तियों की प्रक्रिया सरल हो और प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध समाधान हो यह सुनिश्चित करना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लोकतंत्र में चुनाव जीतना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण चुनाव प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बनाए रखना भी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि चुनाव आयोग किसी राजनीतिक दल का नहीं, भारत के लोकतंत्र का संस्थान है। एसआईआर पर बहस होनी चाहिए खुलकर और तथ्य के साथ। जहां गलती हो, वहां सुधार की मांग होनी चाहिए। जहां प्रक्रिया में कमी हो, वहां न्यायिक और संवैधानिक उपाय अपनाए जाने चाहिए। लेकिन संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को धमकी देना, हिंसा की भाषा बोलना या हर चुनावी परिणाम को ‘वोट चोरी’ बताना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर ही करेगा। अंततः मतदाता ही लोकतंत्र का वास्तविक मालिक है। उसके वोट को किसी दल की निजी संपत्ति मानना भी गलत है और उसकी चुनावी पसंद को स्वीकार न कर पाने के कारण पूरी चुनाव प्रक्रिया पर संदेह खड़ा करना भी। राजनीतिक दलों को जनता के फैसले का सम्मान करना होगा और अपनी जीत-हार की जिम्मेदारी स्वयं लेने का साहस भी दिखाना होगा। लोकतंत्र का असली ताकत किसी एक नेता, सरकार या चुनाव आयुक्त में नहीं, बल्कि उन संस्थाओं में है जिन पर जनता को निष्पक्षता का भरोसा हो। इस भरोसे को राजनीतिक स्वार्थ की आग में झोंकना किसी के हित में नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की विधानसभा ने उठाई बड़ी मांग



जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने केंद्र सरकार से केंद्र शासित प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा 25 सितंबर को पेश किए गए इस प्रस्ताव पर सदन में व्यापक चर्चा हुई। प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ववर्ती विधानसभा प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा वर्तमान राजनीतिक विमर्श का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक और राजनीतिक स्थिति को लेकर बहस एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गई है। हालांकि प्रस्ताव का केंद्रबिंदु पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना है, लेकिन बहस के दौरान अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35ए, विशेष दर्जे और स्वायत्तता जैसे विषय भी सामने आए। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जम्मू-कश्मीर की वर्तमान संवैधानिक स्थिति अगस्त 2019 में हुए बड़े बदलावों के बाद अस्तित्व में आई थी। उस समय जम्मू-कश्मीर को पुनर्गठित कर दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख बनाए गए थे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 25 सितंबर को विधानसभा में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के

संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है। इसलिए प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित विधानसभा की राजनीतिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना अधिक उपयुक्त है। यही वह बिंदु है जहां से जम्मू-कश्मीर के भविष्य के प्रशासनिक ढांचे को लेकर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के बीच संवाद का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है।

नए प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा अतीत में पारित प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है। विशेष रूप से 2000 और 2024 के प्रस्तावों का संदर्भ इस बहस को ऐतिहासिक निरंतरता प्रदान करता है। इसका अर्थ यह है कि राज्य के दर्जे और जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक संवैधानिक स्थिति का प्रश्न अचानक पैदा हुआ विषय नहीं है। अलग-अलग राजनीतिक परिस्थितियों में इस मुद्दे पर विधानसभा के भीतर चर्चा होती रही है। 2024 के बाद जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार और विधानसभा की वापसी ने इस बहस को नया राजनीतिक मंच उपलब्ध कराया। अब विधानसभा के माध्यम से राज्य के दर्जे की बहाली की मांग सामने आना इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रस्ताव पर चर्चा से पहले इसमें संशोधन के लिए 10 प्रस्ताव सामने आए। इनमें कुछ संशोधनों में अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35ए, विशेष दर्जे और स्वायत्तता का स्पष्ट उल्लेख करने की मांग की गई थी। यहीं से विधानसभा की बहस केवल राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रश्न तक सीमित नहीं रही, बल्कि जम्मू-कश्मीर की व्यापक संवैधानिक पहचान और अगस्त 2019 से पहले की स्थिति से जुड़े मुद्दे भी चर्चा में आने लगे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आग्रह के बाद आठ विधायकों ने अपने संशोधन वापस ले लिए। इससे प्रस्ताव को एक व्यापक लेकिन अपेक्षाकृत सीमित विषय पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली पर केंद्रित रखने का रास्ता साफ हुआ। राजनीतिक दृष्टि से यह महत्वपूर्ण था, क्योंकि यदि प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 और विशेष दर्जे जैसे मुद्दों को प्रमुखता से शामिल किया जाता, तो सदन की बहस का स्वरूप और अधिक व्यापक तथा विवादास्पद हो सकता था।

जम्मू-कश्मीर की राजनीति

में अनुच्छेद 370 लंबे समय से केंद्रीय विषय रहा है। अगस्त 2019 में केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर की विशेष संवैधानिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए और इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर की राजनीति में दो अलग-अलग प्रश्न अक्सर एक-दूसरे से जुड़े दिखाई देते हैं। पहला- अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति से जुड़े मुद्दे। दूसरा- जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना। इन दोनों विषयों को समान मानना संवैधानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। राज्य का दर्जा एक प्रशासनिक-संवैधानिक प्रश्न है, जबकि अनुच्छेद 370 से संबंधित प्रश्न भारत के संविधान और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए विधानसभा के वर्तमान प्रस्ताव का मूल विषय पूर्ण राज्य का दर्जा है, जबकि अनुच्छेद 370 और विशेष दर्जे को लेकर अलग राजनीतिक और संवैधानिक बहस मौजूद है।

प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों ने स्वायत्तता तथा अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति के संदर्भों का विरोध किया। भाजपा सदस्यों ने सदन में नारेबाजी की और बाद में बहिर्गमन किया। यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मौजूद वैचारिक अंतर को सामने लाता है। एक तरफ प्रस्ताव का समर्थन करने वाले पक्ष का जोर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस देने पर है। दूसरी तरफ भाजपा का राजनीतिक दृष्टिकोण अगस्त 2019 के संवैधानिक बदलावों को अलग संदर्भ में देखता है और स्वायत्तता या पूर्व संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े संदर्भों का विरोध करता है। इस तरह विधानसभा की बहस में दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट दिखाई दिए। जम्मू-कश्मीर को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि पूर्ण राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण अंतर होता है। पूर्ण राज्य में निर्वाचित सरकार के साथ राज्य की विधायिका और प्रशासनिक अधिकारों का एक व्यापक संवैधानिक ढांचा होता है। केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र सरकार की भूमिका अपेक्षाकृत अधिक होती है, हालांकि अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों के

अधिकार और संवैधानिक व्यवस्थाएं एक जैसी नहीं होती हैं। जम्मू-कश्मीर का वर्तमान केंद्र शासित प्रदेश विशेष संवैधानिक व्यवस्था वाला है और यहां विधानसभा भी है। लेकिन इसका प्रशासनिक ढांचा अगस्त 2019 से पहले के पूर्ण राज्य से अलग है। इसी अंतर को लेकर जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा की राजनीति में पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली एक प्रमुख मांग बनती रही है। अगस्त 2019 जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक इतिहास में एक निर्णायक पड़ाव रहा।

उस समय केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 से संबंधित संवैधानिक व्यवस्था में बदलाव किए और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश बने। इसके बाद लंबे अंतराल के पश्चात जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए और निर्वाचित सरकार का गठन हुआ। विधानसभा के अस्तित्व में आने के साथ ही राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रश्न राजनीतिक विमर्श में फिर प्रमुखता से उभरा। इस पृष्ठभूमि में वर्तमान प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित विधानसभा द्वारा अपनी राजनीतिक मांग दर्ज कराने के रूप में देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के लिए इस प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व दो स्तरों पर है। पहला, यह उनकी सरकार की उस मांग को औपचारिक रूप देता है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस मिलना चाहिए। दूसरा, संशोधनों को वापस लेने का आग्रह करके प्रस्ताव को उन मुद्दों तक सीमित रखने की कोशिश दिखाई देती है जिन पर सदन में व्यापक सहमति बनाई जा सके। अनुच्छेद 370 और स्वायत्तता जैसे मुद्दे जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अत्यंत संवेदनशील रहे हैं। ऐसे में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को इन मुद्दों से अलग रखना राजनीतिक संवाद की दिशा में एक अलग रणनीति के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि अलग-अलग दल इस रणनीति पर चर्चा करते समय सुरक्षा, प्रशासनिक दक्षता, आर्थिक विकास, स्थानीय प्रतिनिधित्व और संवैधानिक व्यवस्था, इन सभी पहलुओं को साथ रखकर विचार करना होगा।

पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने की मांग केवल संवैधानिक या राजनीतिक बहस नहीं है। इसका संबंध प्रशासन,

विकास, स्थानीय प्रतिनिधित्व और शासन व्यवस्था से भी है। राज्य का दर्जा मिलने से प्रशासनिक अधिकारों की संरचना में परिवर्तन आएगा। इससे निर्वाचित सरकार और केंद्र के बीच अधिकारों की वर्तमान व्यवस्था में भी बदलाव हो सकता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि राज्य का दर्जा अपने आप में बेरोजगारी, विकास, निवेश, पर्यटन, सुरक्षा या अन्य स्थानीय समस्याओं का स्वतः समाधान नहीं करता। इन विषयों के समाधान के लिए प्रशासनिक क्षमता, आर्थिक नीतियां, कानून-व्यवस्था, निवेश और स्थानीय संस्थाओं की प्रभावशीलता भी महत्वपूर्ण रहेंगी। इसलिए राज्य का दर्जा एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास का प्रश्न इससे कहीं व्यापक है।

पिछले दशकों में जम्मू-कश्मीर की चर्चा अक्सर सुरक्षा, आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता के संदर्भ में होती रही है। अब निर्वाचित विधानसभा के सक्रिय होने के बाद विकास, प्रशासन, रोजगार और राज्य के दर्जे जैसे मुद्दे भी राजनीतिक विमर्श में प्रमुखता पा रहे हैं। यह लोकतांत्रिक राजनीति की स्वाभाविक प्रक्रिया है कि निर्वाचित प्रतिनिधि अपने क्षेत्र और प्रदेश से जुड़े प्रश्नों को विधानसभा के भीतर उठाएं। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि इस मांग का अंतिम परिणाम केंद्र सरकार और संसद के निर्णयों, संवैधानिक प्रक्रियाओं तथा व्यापक राजनीतिक संवाद पर निर्भर करेगा।

वर्तमान घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष केंद्र और जम्मू-कश्मीर के बीच संवाद की आवश्यकता है। एक निर्वाचित विधानसभा द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग रखी गई है। दूसरी ओर केंद्र सरकार के पास जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण अधिकार हैं। ऐसे में राजनीतिक मतभेदों को लोकतांत्रिक संस्थाओं के भीतर संवाद के माध्यम से संबोधित करना महत्वपूर्ण होगा। राज्य के दर्जे पर चर्चा करते समय सुरक्षा, प्रशासनिक दक्षता, आर्थिक विकास, स्थानीय प्रतिनिधित्व और संवैधानिक व्यवस्था, इन सभी पहलुओं को साथ रखकर विचार करना होगा।

विधानसभा के प्रस्ताव के बाद स्वाभाविक रूप से

अगला प्रश्न यही है कि केंद्र सरकार इस मांग पर क्या कदम उठाती है। प्रस्ताव पारित होना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके बाद संवैधानिक और विधायी प्रक्रिया का प्रश्न सामने आता है। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए केंद्र स्तर पर निर्णय और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया की जरूरत होगी। इसलिए विधानसभा का प्रस्ताव एक राजनीतिक संदेश और मांग का औपचारिक दस्तावेज है, अंतिम निर्णय नहीं। आने वाले समय में केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच इस विषय पर संवाद इसकी दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया जाना केंद्र शासित प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। प्रस्ताव में 2000 और 2024 के विधानसभा प्रस्तावों का उल्लेख, संशोधनों को लेकर हुई बहस, अनुच्छेद 370 और स्वायत्तता के संदर्भों पर मतभेद तथा भाजपा विधायकों का विरोध—इन सभी घटनाओं ने यह स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति पर राजनीतिक मत अलग-अलग है। फिर भी एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि निर्वाचित विधानसभा ने अपनी मांग लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से दर्ज कराई है। अब असली प्रश्न यह है कि इस प्रस्ताव के बाद केंद्र और जम्मू-कश्मीर के बीच किस प्रकार का संवाद विकसित होता है। क्या पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली पर कोई समयबद्ध प्रक्रिया बनती है, क्या संवैधानिक और प्रशासनिक पहलुओं पर सहमति बनती है और क्या जम्मू-कश्मीर की जनता की विकास तथा प्रतिनिधित्व संबंधी आकांक्षाओं को आगे की नीति में पर्याप्त स्थान मिलता है, इन प्रश्नों के उत्तर आने वाले समय में सामने आएंगे। जम्मू-कश्मीर का भविष्य केवल एक संवैधानिक दर्जे का प्रश्न नहीं है। यह लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व, सुरासन, विकास, सुरक्षा और संघीय व्यवस्था के बीच संतुलन का भी प्रश्न है। विधानसभा का प्रस्ताव इस बहस का नया अध्याय खोलता है, अब इस अध्याय की अगली पंक्तियां केंद्र और जम्मू-कश्मीर के बीच होने वाले संवाद से लिखी जानी हैं।



मेष राशि : आज का दिन आपके लिये शानदार रहने वाला है। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। आज किसी खास प्रयोजन को लेकर यात्रा संबंधी प्रोग्राम बन सकता है। घर में नजदीकी संबंधियों का आगमन होगा और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद अवश्य लें और उनका मान-सम्मान करें। आज आपको अपने व्यवहार में कुछ सुधार लाने की भी जरूरत है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से मेल जोल बढ़ाएं। शुभ अंक- 6

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको कोई नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य में कार्यदेयद साबित होगी। आज काम जिस तरह चल रहे हैं, अभी उनमें किसी तरह का भी बदलाव लाने की कोशिश ना करें। अगर व्यवसाय में कोई नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो उससे संबंधित और अधिक जानकारी हासिल करना जरूरी है। शुभ अंक- 3

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अचानक ही किसी मित्र से मुलाकात होगी और विशेष सुर्गों पर लाभदायक विचार विमर्श भी होगा। मानसिक सुकून पाने के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताएं। आज नकारात्मक सोच से बचने की कोशिश करें। बेहतर होगा ज्ञानवर्धक और उत्तम साहित्य पढ़ने में अपना समय लगाएं। आज आपके कार्यस्थल पर काम ज्यादा रहेगा। शुभ अंक- 5

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सान्निध्य मिलेगा, जिससे नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस करेंगे। कोई खास कार्य सिद्धि भी संभव है। दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखें। आज सहज तरीके से अपने कार्यों को व्यवस्थित करते चले। शुभ अंक- 2

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियां से भरा रहने वाला है। आज आपके तब किए गए काम समय से पूरे होते हुए नज़ आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। समस्याओं से घबरापने के बजाय उनको सुलझाने की कोशिश करें। जो चीजें महत्वपूर्ण हैं उनको खुद ही संभालें और जरूरत हो तो किसी अनुभवी की सलाह भी लें। आज आपका परिवार जनो के साथ मनोरंजन में अच्छा समय बिताए। शुभ अंक- 9

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। पूंजी के उचित निवेश के लिए आपको किसी अनुभवी से सलाह लेनी चाहिए। अपने अहम् पर काबू करके परिस्थिति को ठीक से समझने की कोशिश करें, तो आपको आसानी से हल मिल जायेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। शुभ अंक- 1

तुला राशि : काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज किसी से अनबन की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें। आज लंबी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। जोशियम भरे कार्मों से दूर रहें। आज किसी काम में जल्दबाजी और गुस्सा नहीं करेंगे तो आपका काम आसानी से हो जायेगा। शुभ अंक- 8

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत सजींदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते वक़्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, आज रुके हुए पैसे की वापसी भी हो सकती है। शुभ अंक- 7

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहरीन रहने वाला है। आज दोस्तों और रिश्तेदारों से पूरी मदद मिलेगी। खास काम के सिलसिले में बातचीत भी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा। आज कोई सुखद समाचार मिलने से भावनात्मक रूप से आप अपने आपको बढ़िया महसूस करेंगे। आज कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर बिताएंगे। शुभ अंक- 8

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आपके मन में किसी प्रकार का डर रहेगा लेकिन डरने की बात नहीं है यह आपको ओवर थिंकिंग के कारण हो सकता है। व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। दूर-एंड-ट्रेवलस भी मीडिया संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा। आज कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज अपने मनोबल को मजबूत बनाने के लिए मेडिटेशन का सहारा लेंगे। शुभ अंक- 5

कुंभ राशि : आपके लिए फेब्रेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। ऑफिस में कुछ राजनीति से माहौल रह सकता है। आज जीवनशाला को आगे प्रति पूर्ण सहयोग रहेगा। लवमेट के साथ घूमने का भी प्रोग्राम बनेगा। आज आपके व्यवहार में पॉजिटिव बदलाव आयेगा, इससे घरवाले आपसे प्रसन्न रहेंगे। शुभ अंक- 2

मीन राशि :आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। पारिवारिक और व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी। स्टूडेंट को अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ खरब बिताएं। आज अपनी कार्यक्षमता के अनुसार आपको कुछ बड़े अवसर भी मिल सकते हैं। अंक- 3

संक्षिप्त समाचार

व्यवस्था सुधारें, जनता का भरोसा कायम करें : बाबूलाल मरांडी

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में गिरती कानून-व्यवस्था और शासन व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को शांत मन से चिंतन करना चाहिए कि उनके शासन में व्यवस्था किस स्तर तक पहुंच गई है। मरांडी ने जमीन, शराब, पत्थर और पेपर लीक से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए सरकार पर भ्रष्टाचार और संस्थाओं की विश्वसनीयता प्रभावित होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चाहें तो अपने करीबी लोगों और अधिकारियों को भ्रष्टाचार से रोक सकते थे, लेकिन ऐसा क्यों नहीं किया गया, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि सत्ता और पावर किसी की स्थायी नहीं होती। मुख्यमंत्री को लालू प्रसाद यादव और ममता बनर्जी की परिस्थितियों से सबक लेते हुए समय रहते व्यवस्था में सुधार करना चाहिए। बालू, पत्थर, कोयला और अन्य खनिज संसाधनों का उपयोग जनता के हित, विकास और रोजगार के लिए होना चाहिए। मरांडी ने प्रखंडों, थानों और सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि अभी भी समय है, सरकार व्यवस्था सुधारें और जनता का भरोसा कायम करें।

दवा खरीद में गड़बड़ी का आरोप, स्वास्थ्य मंत्री पर भाजपा का निशाना

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जिन दवाइयों की खरीद अन्य राज्यों में कम कीमत पर हो रही है, झारखंड में उन्हीं दवाइयों के लिए कई गुना अधिक राशि खर्च की जा रही है। अजय साह ने उदाहरण देते हुए कहा कि Amoxicillin 500 mg की खरीद बिहार में करीब 1.15 रुपये में हो रही है, जबकि झारखंड में इसकी कीमत करीब 3.50 रुपये बताई जा रही है। इसी तरह ORS 21 ग्राम की खरीद में भी झारखंड में अधिक कीमत दिए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकारी अस्पतालों के टेंडर, एम्बुलेंस व्यवस्था और दवाइयों की उपलब्धता को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में सामने आ रही कथित अनियमितताओं की जिम्मेदारी स्वास्थ्य मंत्री की बनती है। उन्होंने मंत्री से दवा खरीद में कथित गड़बड़ी पर जवाब देने की मांग की।

SIR में फॉर्म-6 के 7.31 लाख से अधिक आवेदन डिजिटाइज

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन का काम जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की 4 अक्टूबर की बुलेटिन के अनुसार 3 अक्टूबर तक फॉर्म-6 के कुल 7,31,553 आवेदन डिजिटाइज किए जा चुके हैं। वहीं फॉर्म-6A के 113, फॉर्म-7 के 13,965 और फॉर्म-8 के 4,83,577 आवेदन डिजिटाइज हुए हैं। 3 अक्टूबर को ही फॉर्म-6 के 4,349, फॉर्म-6A के एक, फॉर्म-7 के 281 और फॉर्म-8 के 3,202 आवेदन डिजिटाइज किए गए। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। कार्यालय के अनुसार बीएलओ को प्राप्त आवेदनों का डिजिटाइजेशन करने के साथ आउटरीच और विशेष कैंप के माध्यम से छूटे हुए पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य भी जारी है।

कांग्रेस मनाएगी लोकतंत्र बचाओ सप्ताह

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रभारी के. राजू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जिला कांग्रेस अध्यक्षों एवं प्रभारियों के साथ Zoom Conference के माध्यम से बैठक कर “वोट बचाओ-देश बचाओ” अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में 2 से 8 अक्टूबर तक “लोकतंत्र बचाओ सप्ताह” मनाने का निर्देश दिया गया। इस दौरान सभी जिलों में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार “वोट बचाओ-देश बचाओ मार्च” निकालने को कहा गया है। मार्च डॉ. भीमराव आंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमा अथवा जिला समाहरणालय तक निकाला जाएगा। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान और संविधान के अनुच्छेद 326 का सार्वजनिक वाचन किया जाएगा। साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतला दहन का कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है। प्रदेश कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

झारखंड आगमन पर भाजपा सह प्रभारी निवेदिता सिंह का भव्य स्वागत



रांची। भाजपा झारखंड की नवनियुक्त सह प्रभारी एवं बिहार विधान परिषद की सदस्य निवेदिता सिंह के झारखंड आगमन पर रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जयघोष के बीच उनका अभिनंदन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत करते हुए नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। निवेदिता सिंह ने स्वागत के लिए पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं का आभार जताया। इस अवसर पर प्रदेश पदाधिकारी, पूर्व विधायक समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवक ने कमरे में फांसी लगाकर की आत्महत्या

लातेहार। जिले के बालुमाथ थाना क्षेत्र के चट्टी टोला में 24 वर्षीय युवक ने आत्महत्या करके अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। वह अपने घर का एकलौता पुत्र था उसकी पहचान स्व शंकर श्रीवास्तव के पुत्र चंचन कुमार के रूप में की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार, वह अपने चाचा के साथ रहता था परिजनों ने बताया कि शनिवार की रात में वह सामान्य था व खाना खाकर सोने के लिये गया। रविवार की सुबह जब दर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो परिजनों को उसकी चिंता होने लगी परिजन छत फीदकर उसके कमरे तक पहुंचे तो युवक को फंदे में झूलता हुआ पाये। आनन-फानन में उसे लेकर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांचोपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी अनुभव सिंह ने बताया कि मामले का जांच किया जा रहा है युवक के आत्महत्या का कोई स्पष्ट कारणों का पता अभी नहीं चल पाया है। युवक की मौत की सूचना पर परिजनों का रो रो बुरा हाल है।

रिम्स में मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग कॉन्क्लेव आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

रांची रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग और झारखंड रेडियोलॉजी एसोसिएशन-आईआरआईए झारखंड चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को झारखंड मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन किया गया। इसमें मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग, बीमारी की सटीक पहचान और इमेज गाइडेड इंटरवेंशन की आधुनिक तकनीकों पर चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया गया। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एम्स पटना, आरएमएल आईएमएस लखनऊ और बेंगलुरु से पहुंचे विशेषज्ञों ने रेडियोलॉजिस्टों के साथ अनुभव साझा किए। कॉन्क्लेव में लाइव मरीज पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रमुख आकर्षण रहा। चिकित्सकों को कंधे की इमेजिंग, मांसपेशियों



और टेंडन की जांच समेत विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। दर्द प्रबंधन के लिए मस्कुलोस्केलेटल इंटरवेंशन का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में रिम्स निदेशक प्रो. डॉ. डीके सिन्हा, मेडिकल एजुकेशन निदेशक सह डीन रिसर्च प्रो. डॉ. पीके भट्टाचार्य, रांची सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद, डॉ. अमरेंद्र कुमार और राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ.

अखिलेश कुमार झा समेत कई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से चिकित्सकों की तकनीकी दक्षता और क्लिनिकल समझ बढ़ती है, जिसका लाभ मरीजों को बेहतर इलाज के रूप में मिलता है। आयोजन में रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सुरेश टोप्पो, डॉ. अनिश चौधरी और डॉ. राजीव कुमार रंजन की प्रमुख भूमिका रही।

22 वर्षों की सैन्य सेवा के बाद गांव लौटे नायक नेपाली यादव

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड (चतरा)। भारतीय सेना में 22 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हुए नायक नेपाली यादव के गृह क्षेत्र लौटने पर पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कर्मा मोड़ से स्वागत कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यहां पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन के सदस्यों, पूर्व विधायक उभाशंकर अकेला यादव समेत कई गणमान्य लोगों ने बैंड-बाजे के साथ माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर नायक नेपाली यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद पूर्व सैनिकों एवं ग्रामीणों के साथ नायक नेपाली यादव मयूरहंड पहुंचे, जहां शहीद शक्ति सिंह की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक



नमन किया गया। इसके बाद उनके गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने भी उनका भव्य स्वागत किया और सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सैनिक नायक नेपाली यादव ने कहा कि 22 वर्षों की सैन्य सेवा पूरी करने के बाद सेवानिवृत्त होकर संगठन के साथियों और समाज के लोगों के बीच सम्मान पाकर वह गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने संगठन

एवं समाज की ओर से मिले स्नेह, सम्मान और सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि समाज के उत्थान में उनकी भागीदारी आगे भी बढ़-चढ़कर रहेगी। वहीं, बेटे को 22 वर्षों बाद सम्मान के साथ घर लौटते देख माता मुखनी देवी भावुक हो गईं। उनकी पत्नी रंजू देवी ने कहा कि उनके पति ने भारतीय सेना में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ देश की सेवा की है। उनके सेवानिवृत्त होकर

» पूर्व सैनिकों व ग्रामीणों ने बैंड-बाजे के साथ किया भव्य स्वागत

घर लौटने पर परिवार को गर्व और खुशी दोनों हैं। पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष अरविंद ओझा ने कहा कि नायक नेपाली यादव की सेवानिवृत्ति को यादगार बनाने के लिए संगठन के सभी सदस्य उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों से संगठन द्वारा सैनिकों, वीर नारियों एवं पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में सेना में जाने का प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक सैनिक अपने जीवन के 21-22 वर्ष देश सेवा में समर्पित

करता है और सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज में उसे सम्मान एवं सुरक्षा का भाव मिलता है। युवाओं को भी देश सेवा की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उप सचिव रामनंदन मिश्रा ने नायक नेपाली यादव की सेवानिवृत्ति के बाद परिवार में वापसी पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक संगठन के सभी साथी हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता चतरा जिला अध्यक्ष मोहन कुमार साहा ने की, जबकि संचालन सचिव महेश बांडों की देखरेख में हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, उनके परिजन, समाजसेवी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने नायक नेपाली यादव को 22 वर्षों की राष्ट्रसेवा के लिए सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान केंद्रीय

अध्यक्ष अरविंद ओझा, उप सचिव रामनंदन मिश्रा, उप कोषाध्यक्ष शिवनंदन साहू, चतरा जिला अध्यक्ष मोहन कुमार साहा, सचिव महेश बांडों, मीडिया प्रभारी किशुन राम, हजारीबाग जिला अध्यक्ष महेंद्र गोप, सचिव नीरज ओझा, मीडिया प्रभारी मनोज गोप, मयूरहंड प्रखंड अध्यक्ष सुभाष सिंह, वरिष्ठ सलाहकार हवलदार कैप्टन राजदेव कुमार प्रसाद एवं रविंद्र कुमार सिंह, सदस्य अनिमेश यादव, अमरेश सिंह, जयजीत कुमार सिंह, आदित्य यादव, जगदेव प्रसाद, मनोज यादव सहित कई पूर्व सैनिक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। महिला विंग से संगठन मंत्री रिंकी देवी तथा परिजन प्रदीप यादव, अर्जुन यादव, सकलदेव यादव, लक्ष्मण यादव, चंद्रदेव यादव, महावीर यादव, चंद्रदीप यादव, रवि यादव समेत अन्य लोग भी मौजूद थे।

आगामी दुर्गा पूजा को लेकर रविवार को नगर सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को नगर थाना सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीएसपी नीरज कुमार सिंह ने की। मौके पर सभी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ पूजा समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में डीएसपी नीरज कुमार सिंह ने पूजा समितियों को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे, फायर सेफ्टी उपकरण, महिलाओं की सुरक्षा के देखभाल हुए महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रवेश लाइन तथा अलग पट्टी व एग्जिट गेट अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। डीएसपी ने बताया कि पूजा के



दौरान डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके साथ ही सभी पूजा समितियों के वालंटियर्स को पुलिस की ओर से पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि भीड़ नियंत्रण व सुरक्षा व्यवस्था में समन्वय बना रहे।बैठक में उपस्थित लोगों ने सीसीटीवी कैमरे, फायर सेफ्टी उपकरण, महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की। प्रतिमा विसर्जन को लेकर भी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श हुआ। डीएसपी ने कहा कि सभी मुद्दों पर प्रशासन

गंभीर है व आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहेगा। ड्रोन कैमरे व सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। संवेदनशील इलाकों में दंडाधिकारी के साथ अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। बैठक में नगर थाना प्रभारी रघुाम किशोर महतो, ट्रैफिक इंस्पेक्टर डगानु टोनों समेत कई पुलिस पदाधिकारी व शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

व्यवहार न्यायालय लातेहार परिसर में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार।झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार व प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार शेषनाथ सिंह के कुशल मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय लातेहार परिसर में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला मोटर वाहन दुर्घटना दावा व स्वापक औषधि व मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के कानूनी पहलुओं व प्रक्रियाओं पर केंद्रित थी, कार्यशाला में लातेहार के पुलिस अधीक्षक सह डालसा सदस्य कुमार गौरव भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। **कानूनी बारीकियों व अनुसंधान पर जोर:**कार्यशाला को संबोधित करते हुये प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह ने पुलिस अधिकारियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एमएसीटी व एनडीपीएस से जुड़े हुये मामलों में पुलिस की भूमिका अत्यंत ही संवेदनशील व महत्वपूर्ण होती है। पीड़ित परिवारों को समय पर न्याय



दिलाने के लिये दुर्घटना के मामलों में त्वरित व सटीक जांच अनिवार्य है। वहीं दूसरी ओर समाज को खोखला कर रहें नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिये पुलिस को कानूनी प्रक्रियाओं का कड़ाई से व त्रुटिहीन पालन करना होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता व जवाबदेही के साथ में काम करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक सह डालसा अध्यक्ष कुमार गौरव ने मोटर दुर्घटना व एनडीपीएस के दुष्परिणाम, समाज पर पड़ रहे प्रभाव व पुलिस के कर्तव्य व जिम्मेवारियों

पर प्रकाश डाला। जिला व अपर सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मिश्रा ने मोटर दुर्घटना दावा वाद के धाराओं व इससे जुड़ी विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। **पुलिस को दी गई विस्तृत तकनीकी जानकारी:** कार्यशाला में उपस्थित पुलिस अधिकारियों को जिला व अपर सत्र न्यायाधीश सुनील दत्ता द्विवेदी, जिला व अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय दीपक कुमार ने केस डायरी तैयार करने, साक्ष्यों को सही तरीके से संकलित करने एनडीपीएस मामलों में जल्ती की सही प्रक्रिया अपनाने व तय समय सीमा

» एमएसीटी व एनडीपीएस से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका अत्यंत संवेदनशील व महत्वपूर्ण: शेषनाथ सिंह

के भीतर माननीय अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत करने सहित एनडीपीएस के महत्वपूर्ण धाराओं से जुड़ी तकनीकी व व्यावहारिक जानकारीयों दी। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार के द्वारा मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित तकनीकी व महत्वपूर्ण जानकारीयों दी गईं। जिला के रोड सेफ्टी मैनेजर तनवीर हुसैन व हेड असीस्टेंट सरोज तेलरा ने रोड सेफ्टी व इससे जुड़ी विभिन्न पहलुओं को समझाया। इसके साथ ही कार्यशाला में बीएनएसएस, बीएनएस व बीएसए पर भी विशेष चर्चा हुई। मौके पर सीजेएम विक्रम यादव, डालसा सचिव शिवम चैरसिया, जिला अभियोजक शिवशंकर राम, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, सभी थाना प्रभारी सहित जिला के अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पांच को आएंगे खूंटी

खूंटी। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल का 5 अक्टूबर को खूंटी आगमन होगा। वे सुबह 8:30 बजे खूंटी पहुंचेंगे। जिला भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक व भगत सिंह चौक पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस दौरान गजेंद्र सिंह पटेल नेताजी सुभाष चंद्र बोस, शहीद भगत सिंह व जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन करेंगे। इसके बाद वे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलीहातु पहुंचकर धरती आबा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उलीहातु से लौटने के बाद प्रदेश प्रभारी भाजपा जिला कार्यालय पहुंचेंगे, जहां वे जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संवाद करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद कुमार ने खूंटी जिले के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से निर्धारित समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

मनोहरपुर में अलग-अलग सड़क हादसों में चार घायल, दो की हालत गंभीर

चाईबासा। जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात व रविवार दोपहर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोग घायल हो गए। हादसों में दो घायलों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। पहली दुर्घटना शनिवार रात करीब आठ बजे मनोहरपुर-चिड़िया मुख्य मार्ग पर लोड़ो-अंकुवा पुलिया के पास हुई। चिड़िया ओपी क्षेत्र के अंकुवा चौक निवासी सोनाराम पूर्ति (37) पैदल लोड़ो गांव से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान छोटानागरा की ओर से मनोहरपुर जा रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में सोनाराम का दायां पैर टूट गया, जबकि बाएं पैर में भी गंभीर चोट आई। उनकी हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद राउरकेला रेफर कर दिया। दूसरी दुर्घटना रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे मनोहरपुर-आनंदपुर मुख्य मार्ग पर टंगराईन मोड़ के पास हुई। यहां स्कूटी व बाइक की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में टंगराईन निवासी सुरेशचंद्र महतो (63), आनंदपुर थाना क्षेत्र के बुलुमदा गांव निवासी सलीम भेंगरा(24) व अजय बागे (23) शामिल हैं। बताया गया कि सुरेशचंद्र महतो स्कूटी से मनोहरपुर बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक से उनकी स्कूटी की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में सुरेशचंद्र के सिर में गंभीर चोट लगी। तीनों घायलों को मनोहरपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सुरेशचंद्र को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया, जबकि सलीम व अजय का इलाज अस्पताल में जारी है। दोनों घटनाओं को लेकर पुलिस दुर्घटना के कारणों व संबंधित वाहनों की जानकारी जुटा रही है।

गिरिडीह में भाजपा मध्य भाग मंडल की संगठनात्मक बैठक, संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी गिरिडीह विधानसभा अंतर्गत मध्य भाग मंडल की संगठनात्मक बैठक रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने व आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी, प्रभारी संजय सिंह, गिरिडीह महानगर जिलाध्यक्ष रंजीत राय, ग्रामीण जिलाध्यक्ष महेंद्र वर्मा,पूर्व विधायक निर्भय शाहबादी, सुरेश साव विनय कुमार सिंह, संदीप दंगाइच, प्रकाश राम, चुनुक्रांत, दिलीप वर्मा समेत पार्टी के सम्मानित नेतागण, पदाधिकारी व ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मध्य भाग मंडल अध्यक्ष खिरोरार दास ने की, जबकि संचालन सिकन्दर हेन्‍ड्रम ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों की और गति देने व आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

फूलभंगा में वन विभाग की कार्रवाई, सेमल व सखुआ की बोटा लकड़ी जब्त



साहिबगंज/मिर्जाचौकी। फूलभंगा-मंडरो वन क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध लकड़ी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में सेमल एवं सखुआ की बोटा लकड़ी जब्त की। कार्रवाई मिर्जाचौकी उप वन परिसर पदाधिकारी अंकित झा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। छापेमारी के दौरान बरामद लकड़ी को जब्त कर लिया गया है। वन विभाग मामले की जांच कर रहा है और लकड़ी कहां से काटकर लाई गई थी तथा इसमें कौन लोग शामिल हैं, इसका पता लगाया जा रहा है। विभाग ने अवैध कटाई और लकड़ी के भंडारण व परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

‘प्रहरी’ पहल के तहत रामगढ़ में पुलिस का विशेष अभियान

» संवेदनशील स्थानों पर छापेमारी, नशाखोरी व अड्डेबाजी पर लगाम की कोशिश

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर ‘प्रहरी’ पहल के तहत रविवार को रामगढ़ पुलिस ने जिले के सभी थाना व ओपी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान संवेदनशील व अड्डेबाजी वाले स्थानों पर छापेमारी कर नशाखोरी, छेड़खानी, अड्डेबाजी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया। पुलिस टीमों ने विभिन्न थाना व ओपी क्षेत्रों में चिह्नित संवेदनशील स्थानों पर पहुंचकर संदिग्ध गतिविधियों की जांच की। पुलिस के अनुसार, अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाने के साथ आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना है। ‘प्रहरी’ पहल के तहत पुलिस व आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें व कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

ग्रामीणों ने समस्याओं को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

» ओल्हान गांव की बदहाल सड़क व बुनियादी सुविधाओं का उठाया मुद्दा

नई सोच एक्सप्रेस

खूंटी। बानो प्रखंड के ओल्हान गांव के ग्रामीणों ने रविवार को तपकरा स्थित तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया के आवासीय कार्यालय पहुंचकर सड़क निर्माण सहित विभिन्न जर्हाहित से जुड़ी मांगों को लेकर आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने विधायक को गांव की बदहाल सड़क व आवागमन में हो रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति खराब होने के कारण रोजमर्रा के कामों के लिए आने-जाने में लोगों



को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण के साथ गांव में जरूरी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की भी मांग की। विधायक सुदीप गुड़िया ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं व उनकी मांगों के समाधान के लिए आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य व पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का

विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए जरूरी है। विधायक ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को संबोधित विभाग व सरकार के समक्ष रखकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के गांवों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना व ग्रामीणों की समस्याओं को मजबूती से उठाना उनकी प्राथमिकता है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत चरका टांगर में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश सेवा व सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रविवार को गुमला प्रखंड के चरका टांगर गांव में ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ मिलकर फलदार व छायादार पौधों का पौधारोपण किया व लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का नेतृत्व अभियान के संयोजक मंगल सिंह भोगता व सह-संयोजक शंभू सिंह ने किया। कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए। इस दौरान पौधों के संरक्षण व उनकी नियमित देखभाल



का भी संकल्प लिया गया। संयोजक मंगल सिंह भोगता ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेवा व जनकल्याण की भावना को मजबूत करना है। पर्यावरण संरक्षण भी समाज व देश की सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण व पर्यावरण असंतुलन को रोकने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना जरूरी है। एक पौधा

लगाना आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित व स्वच्छ पर्यावरण की नींव रखने के समान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में आम लोगों की भागीदारी जरूरी है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक व जनसेवा के कार्यों से लोगों को जोड़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से पौधारोपण के साथ-साथ लगाए

डॉ.रंगनाथ दुबे के जन्मदिन पर अभ्युदय सेवा समिति का 34वां रक्तदान शिविर, 45 यूनिट रक्त संग्रहित



नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।डॉ.रंगनाथ दुबे के जन्मदिन के अवसर पर अभ्युदय सेवा समिति एवं NIFA (नीफा) के संयुक्त तत्वावधान में अनमोल पॉली क्लिनिक फूलपुर में 34वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में 45 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया कबीर चौरा ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रह किया । इस अवसर पर बड़गाँव थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह,फूलपुर थानाध्यक्ष अजय राज वर्मा,मुख्य अतिथि शैलेश पांडेय,जयप्रकाश दुबे,डॉ.

संगीता दुबे,रविंद्र मिश्रा मिथिलेश चौबे,सिंदू पांडेय,अमिताभ दुबे,प्रदीप दुबे,डॉ.राजेंद्र, धीरज पांडेय,विपिन भट्ट,कीशल,राजन एवं सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे । डॉ.रंगनाथ दुबे ने अपने जन्मदिन पर रक्तदान जैसा पुनीत कार्य कर समाज के सामने मानवता और निःस्वार्थ सेवा की मिसाल पेश की । अभ्युदय सेवा समिति और (निफा) को इस मानवीय पहल से समाज को प्रेरणादायी संदेश मिला । साठ साल की उम्र में भी डॉ.दुबे ने रक्तदान कर साबित किया कि सेवा की कोई उम्र नहीं होती ।

जितिया विसर्जन व नहाने के क्रम में तालाब में डूबने से किशोर की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

पलामू। पलामू जिले में जितिया विसर्जन व नहाने के दौरान तालाब में डूबने से एक 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना उसकी मां की मौजूदगी में हुई। हादसे के बाद परिवार में चीख पुकार मची हुई है। जितिया पर्व की खुशियां माता में बदल गई है। बताते चले कि जितिया पर्व संताता की दीर्घायु के लिए किया जाता है। लेकिन पर्व करने के बाद हादसा होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटीन गांव के गुलहरिया तालाब-आहार में हुई। मृतक बच्चे की पहचान इसी गांव के रहने वाले उपेंद्र गुप्ता के 13 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार के रूप में हुई है। उपेंद्र की पत्नी जितिया विसर्जन करने के



लिए रविवार सुबह 6 बजे गुलहरिया तालाब में गई थी। उसके साथ उसका 13 वर्षीय पुत्र राकेश भी साथ में गया था। तालाब में काफी भीड़ थी। साथ में नहाने के क्रम में अचानक राकेश गहरे पानी में समा गया। घटना उसकी मां की मौजूदगी में हुई, लेकिन नहा कर मंदिर जाने के क्रम में महिला को एहसास हुआ कि उसका पुत्र साथ नहीं आया है। उसकी खोजबीन शुरू की गई। काफी देर बाद तालाब के गहरे पानी से राकेश को निकाला गया व इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल

छतरपुर ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। राकेश दो भाई एक बहन में सबसे बड़ा था। राकेश के पिता उपेंद्र गुप्ता पारा शिक्षक रह चुके हैं। पारा शिक्षक पद से हटाए जाने के बाद निजी स्कूल का संचालन करते हैं। घटना की जानकारी मिलने पर छतरपुर पुलिस ने घटनास्थल व अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली व खानबीन शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजने की तैयारी है।

दिल्ली में बीजेपी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का के एस दुग्गल ने किया स्वागत, युवाओं को पार्टी में मिल रही प्राथमिकता



नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली । दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न मोर्चों और संगठनात्मक इकाइयों के गठन के बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता के एस दुग्गल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों और युवा कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में युवाओं को लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों दी जा रही हैं, जो पार्टी के प्रति युवाओं के बढ़ते जुड़ाव को दर्शाता है। के एस दुग्गल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और राष्ट्रवाद की विचारधारा से देश का युवा वर्ग प्रभावित है और बड़ी संख्या में युवा भारतीय जनता पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं।

उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे पार्टी के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करेंगे। इस अवसर पर मनोज पांडे सचिव, नितिन कुमार महामंत्री, ईशान सेठी उपाध्यक्ष, सौरव कुड़िया उपाध्यक्ष, हनी चावला सचिव, आनंद चक्र सचिव तथा अल्पसंख्यक मोर्चों के उपाध्यक्ष जमील खान सहित अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इसके अलावा युवा टीम के सौहैब, प्रदीप और विशाल का भी के एस दुग्गल ने स्वागत किया। उन्होंने सभी युवाओं से संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रियता से काम करने का आह्वान किया।

महिला सशक्तिकरण और नशामुक्त समाज के लिए मिलकर प्रयास जरूरी: सुदीप गुड़िया



नई सोच एक्सप्रेस

खूंटी। महिला संघ की आम सभा आर.सी. चर्च, जम्हार पल्ली में आयोजित की गई। कार्यक्रम में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर फादर बिशु बेंजामिन व फादर सुनील कण्डुलना की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभा को संबोधित करते हुए विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि महिलाएं परिवार व समाज की मजबूत आधारशिला हैं। महिलाओं के शिक्षित, जागरूक व आत्मनिर्भर बनने का सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार व आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। उन्होंने महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने के साथ बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक

प्रगति तभी संभव है, जब माताएं-बहनें सशक्त हों व युवा पीढ़ी सही दिशा में आगे बढ़े। नशे को युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ परिवार, चर्च, महिला संघ, सामाजिक संगठनों व जनप्रतिनिधियों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। विधायक ने प्रभु यीशु मसीह के प्रेम, सेवा, करुणा व भाईचारे के संदेश को अपनाकर सौहार्दपूर्ण समाज निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान व स्वावलंबन को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। मौके पर सभा नेत्री फुलमनी तोपनो, सिस्टर पुषपा तीगा, जम्हार पल्ली के कमिटी मेंबर, महिला संघ की सदस्याएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पीरटांड में सियासी हलचल तेज! सैकड़ों आदिवासी युवाओं-महिलाओं ने सुरेश साव की मौजूदगी में थामा भाजपा का दामन

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह। गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के पीरटांड प्रखंड के एक बार फिर सियासी गतिविधियां तेज होती नजर आ रही हैं। शनिवार को हरलाडीह मंडल के सुदूर्वर्ती बनसीमरी गांव में आयोजित भाजपा के सदस्यता कार्यक्रम में सैकड़ों आदिवासी युवाओं, महिलाओं व ग्रामीणों के भाजपा में शामिल होने का दावा किया गया। कार्यक्रम में भाजपा गिरिडीह विधानसभा के नेता सुरेश साव मौजूद रहे।उमेश टुडू व राजू सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में नए सदस्यों का भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के युवा, महिलाएं व ग्रामीण शामिल रहे। कार्यक्रम के बाद क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं को लेकर भी भाजपा नेता सुरेश साव ने सरकार पर निशाना साधा।



उन्होंने पीरटांड के ग्रामीण इलाकों में सड़क, पुलिया, बिजली, पेयजल व स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति को लेकर सवाल उठाए। साव ने कहा कि कई गांवों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है व ग्रामीणों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए परेशानी उठानी पड़ती है। सुरेश साव ने झामुमो-कांग्रेस सरकार पर युवाओं व ग्रामीणों की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि रोजगार व विकास के मुद्दे पर सरकार को जवाब देना

चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आदिवासी समाज व युवा वर्ग के बीच सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ रही है व इसका असर आने वाले चुनाव में देखने को मिल सकता है। हालांकि, सदस्यता कार्यक्रम को भाजपा के लिए संगठन विस्तार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीरटांड जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों के पार्टी से जुड़ने का दावा भाजपा के लिए स्थानीय स्तर पर राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा

महेशपुर कोलियरी में होगी स्व. सूर्यदेव सिंह के जीवन पर आधारित वेब सीरीज की शूटिंग, प्रोडक्शन टीम ने किया सर्वे

नई सोच एक्सप्रेस

कतरास। कतरास स्थित बीसीसीएल एरिया-3 की महेशपुर कोलियरी में जल्द ही कोयलांचल के कद्दावर नेता व मजदूरों के मसीहा कहे जाने वाले झरिया के पूर्व विधायक स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह के जीवन व संघर्ष पर आधारित मेगा प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू होने जा रही है। रविवार को मुंबई व रांची से आई करीब 24-25 सदस्यों की प्री-प्रोडक्शन व टेक्निकल टीम ने महेशपुर कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी कार्यालय, माइंस क्षेत्र व डंपिंग यार्ड का बारीकी से सर्वे (लोकेशन रेकी) किया। टीम ने स्थानीय स्तर पर पुष्टि की है कि यह फिल्म/सीरीज धनबाद के एक बेहद रसूखदार व ऐतिहासिक राजनीतिक चेहरे को केंद्र में रखकर बनाई जा रही है, जिसने 1970 व 80 के



दशक में कोयलांचल की तकदीर व राजनीति को बदला था। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस हाई-ऑक्टेन पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज को प्रोड्यूस करने का मुख्य लक्ष्य लालू क्रिदर बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी निभाने जा रहे हैं। उनके साथ एक बेहद मजबूत व दमदार पात्र के निर्माण फरहान अख्तर की कंपनी एक्सल एंटरटेनमेंट, एमजीएम स्टूडियोस व संजय दत्त की थर्ड डायमेंशन मोशन पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया

जाएगा। कहानी में कोयला खदानों के राष्ट्रीयकरण के दौर, मजदूर आंदोलनों व धनबाद के वास्तविक कोयला वचंस को दिखाया जाना है। इसके दृश्यों में प्रामाणिकता लाने के लिए महेशपुर कोलियरी का माइनिंग व डंपिंग एरिया सबसे मुफीद पाया गया है। धनबाद, कतरास व झरिया के स्थानीय क्षेत्रों में स्व. सूर्यदेव सिंह व अन्य किरदारों के लिए ऑडिशन भी लिए गए हैं, ताकि सीरीज में स्थानीय परिवेश व बोलचाल का वास्तविक पुट आ सके। प्रशासनिक स्तर पर एनओसी व औपचारिक अनुमतियां मिलने के तुरंत बाद महेशपुर व झरिया के आसपास के क्षेत्रों में इसका मुख्य शूटिंग शैड्यूल शुरू कर दिया जाएगा। इस बड़े प्रोजेक्ट को लेकर महेशपुर कोलियरी के कर्मचारियों व स्थानीय ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

प्रदेश में वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल के तीन सदस्यों को जगह मिलने से बनारस के फर्नीचर व्यापारियों में उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल के स्थापना दिवस के अवसर पर आज पूरे संगठन में अपार हर्ष और उत्साह का वातावरण छाया रहा । प्रदेश स्तर पर संगठन के तीन प्रमुख सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने की घोषणा ने बनारस के फर्नीचर व्यापारियों में गर्व और एकजुटता का नया संचार कर दिया । संगठन के वर्तमान अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता को प्रदेश उपाध्यक्ष,रमेश यादव को मंत्री तथा दिलीप गुप्ता ‘गुड्डू’ को कार्यकारिणी सदस्य बनाए जाने पर व्यापार मंडल के दजनों सदस्यों ने तीनों पदाधिकारियों का अंगवस्त्र पहनाकर एवं माल्यार्पण कर भावुक



क्षणों में सम्मान किया । इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों के चेहरों पर स्पष्ट रूप से गर्व और खुशी झलक रही थी । सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के इतने बड़े और सम्मानित संगठन में वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल के तीन-तीन सदस्यों का शामिल होना मात्र एक

उपलब्धि नहीं,बल्कि संगठन की अटूट एकजुटता,निरंतर संघर्ष और सामूहिक शक्ति का जीवंत प्रमाण है यह क्षण पूरे बनारस के फर्नीचर व्यापारियों के लिए गौरव का है । प्रमुख रूप से दिनेश खुराना,अश्वनी जायसवाल,संजय अरोड़ा उपेंद्र खरवार, राजकुमार यादव,अमीन खान,विनोद चौरसिया के साथ

संरक्षक अजय जायसवाल,राजेश अग्रवाल,नरेंद्र गर्ग आदि ने तीनों नवनामित पदाधिकारियों का भावपूर्ण सम्मान किया और उन्हें शुभकामनाएं अर्पित कीं । उन्होंने कहा कि इस सफलता ने पूरे संगठन को नई ऊर्जा प्रदान की है और भविष्य में भी एकजुट रहकर व्यापारियों के हितों की रक्षा करने का संकल्प और मजबूत हुआ है । स्थाना दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी सदस्यों ने मिलकर यह संदेश दिया कि जब संगठन एकजुट होता है तो छोटे से लेकर बड़े स्तर तक सम्मान और जिम्मेदारी अपने आप प्राप्त होती है । आज का दिन न केवल तीन पदाधिकारियों का,बल्कि पूरे वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल का गौरवपूर्ण दिन बन गया ।।

मृत मां की फर्जी वसीयत बनाकर संपत्ति हड़पने के आरोपी की जमानत खारिज

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट/अपर सत्र न्यायाधीश वाराणसी सर्वजीत कुमार की अदालत ने वर्ष 2011 में दिवंगत हो चुकी राजपती देवी के नाम से वर्ष 2023 में कथित रूप से कूटरचित फर्जी वसीयतनामा तैयार कर छोटे भाई की विधवा पत्नी नर्मदा सिंह की संपत्ति हड़पने के मामले में आरोपी विजय बहादुर सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी । अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता संतोष तिवारी तथा अधिवक्ता समीर कुमार मिश्रा,विनय शंकर राय एवं



दिलीप मिश्रा ने जमानत का विरोध किया । अभियोजन ने न्यायालय के समक्ष तर्क दिया कि आरोपी ने अन्य अभियुक्तों प्रेम कुमार एवं श्रवण कुमार के साथ मिलकर कथित रूप कूटरचित दस्तावेज तैयार कर एक अन्य महिला को अपनी दिवंगत मां राजपती देवी के रूप में प्रस्तुत कर उप निबंधक सदर कार्यालय में फर्जी

वसीयतनामा पंजीकृत कराया । साथ ही स्थानीय पाषंद के कथित फर्जी लेटर पैड, हस्ताक्षर एवं मुहर का प्रयोग कर मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने सहित बैनामा इत्यादि दस्तावेज का साक्ष्य एवं सबूत न्यायालय को देकर आरोप लगाया कि अभियुक्त विजय कुमार ने सगे छोटे भाई की विधवा पत्नी को संपत्ति से बेदखल

कर खून के रिशते को कलंकित कर घोर अपराध किया है । अभियोजन ने कहा कि राजपती देवी की मृत्यु वर्ष 2011 में हो चुकी थी जबकि विवादित वसीयतनामा वर्ष 2023 का बताया गया है । दोनों पक्षों की बहस तथा प्रस्तुत तथ्यों और अभिलेखों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने अभियुक्त विजय बहादुर सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी । न्यायालय के आदेश पर अधिवक्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की,सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने मामले की प्रभावी पैरवी करने वाले युवा अधिवक्ताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिये ।।

संक्षिप्त समाचार

भारत मंडपम में बिहार की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय सम्मान

पटना/नई दिल्ली। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 3 अक्टूबर को आयोजित Iconic Peace & Achievers Award 2026 समारोह में बिहार के चिकित्सा, फिजियोथेरापी, ऑक्स्पेशनल थेरापी और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े शिक्षकों एवं विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। बिहार कॉलेज ऑफ फिजियोथेरापी एंड ऑक्स्पेशनल थेरापी, पटना के सह-प्राध्यापक डॉ. अभय कुमार जायसवाल को Ashoka Award प्रदान किया गया। वहीं संस्थान के डॉ. प्रियदर्शी आलोक, डॉ. उदय कुमार, डॉ. मनोज कुमार और डॉ. उमेश कुमार को Honorary Doctorate Award से सम्मानित किया गया। श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना की सहायक प्राध्यापक डॉ. विभा कृति को भी Honorary Doctorate Award मिला। आयोजकों के अनुसार सम्मान के लिए प्रतिभाओं का चयन उनके कार्य, सामाजिक योगदान, पेशे के प्रति समर्पण और समाजहित में किए गए प्रयासों के आधार पर किया गया। समारोह में बिहार की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिलने से संबंधित संस्थानों में खुशी का माहौल है। सम्मानित शिक्षकों एवं विशेषज्ञों को सहकर्मियों, परिजनों और शुभचिंतकों ने बधाई दी।



पेंशन व स्वास्थ्य सुविधाओं के सरलीकरण की उठी मांग



वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन, शाखा सारनाथ का वार्षिक अधिवेशन रविवार को होटल अनंत इन, सारनाथ में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि भारत पेंशनर्स समाज के कार्यकारी अध्यक्ष अमिय रमण ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अधिवेशन में सेवानिवृत्त रेलकर्मियों एवं पेंशनभोगियों की समस्याओं, पेंशन संबंधी मामलों के त्वरित निवारण तथा स्वास्थ्य सुविधाओं (REHS/ Medical Card) को सरल बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने पेंशनर्स के कल्याण और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए प्रभावी पहल की आवश्यकता जताई। इस दौरान एसोसिएशन की पिछले वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा के साथ आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। आगामी वर्ष की कार्ययोजना और पेंशनभोगियों के हित में किए जाने वाले प्रयासों पर भी विचार-विमर्श हुआ। अधिवेशन में मुजी लाल, भानू प्रकाश, दीपक श्रीवास्तव, असित कुमार मुखर्जी, अशोक कुमार पाठक, राम निवास, राजीव जायसवाल, अशोक कुमार श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त रेलकर्मों एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन फीरोज ने किया। अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार जताया।

एआई से सशक्त होगा जनजातीय भाषाओं का संवाद

वाराणसी। जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव रंजना चोपड़ा ने कहा कि एआई आधारित भाषा मंच ‘आदिवाणी’ जनजातीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें डिजिटल पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि भारत में 700 से अधिक जनजातीय समुदाय और 100 से अधिक विशिष्ट जनजातीय भाषाएं एवं बोलियां हैं, लेकिन इनमें से कई भाषाओं की डिजिटल उपस्थिति बेहद सीमित है। आईआईटी दिल्ली द्वारा जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत विकसित ‘आदिवाणी’ फिलहाल संथाली, मुंडारी, भीली और गोंडी भाषाओं के साथ लाइव है। कुई और गारो को भी शीघ्र जोड़ा जाएगा, जबकि आठ अन्य भाषाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि यह मंच केवल अनुवाद तक सीमित नहीं है। इसमें टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट, स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-स्पीच और ओसीआर जैसी सुविधाएं हैं। इसके माध्यम से सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं और शैक्षणिक सामग्री को जनजातीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के साथ मौखिक रूप से भी जानकारी पहुंचाई जा सकेगी। ‘आदिवाणी’ के विकास में मूल भाषियों, अनुवादकों, भाषाविदों और समुदाय के वरिष्ठ सदस्यों को शामिल किया गया है। प्रत्येक सामग्री की मेकअप-चेकर-सुपरचेकर प्रक्रिया से समीक्षा की जाती है। राज्य स्तरीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (TRI) भी स्थानीय स्तर पर भाषाई डेटा के संकलन और सत्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चोपड़ा के अनुसार, अगले नौ महीनों में करीब दस और भाषाओं को जोड़ने तथा स्पीच और वॉयस तकनीक को बेहतर बनाने की योजना है। उन्होंने कहा कि ‘आदिवाणी’ जनजातीय भाषाओं को हाशिए से मुख्यधारा में लाने के साथ उनकी सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को संरक्षित करने का माध्यम बनेगी।



सिसाना गांव के जैन समाज ने धूमधाम से निकाली श्रीजी की वार्षिक रथयात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत, उत्तर प्रदेश। श्री 1008 चंद्रप्रभु नवग्रह जैन मंदिर, अतिशय क्षेत्र सिसाना में वार्षिक रथयात्रा महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और भगवान श्रीजी की पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। रथयात्रा के शुभारंभ से पूर्व बोलियां लगाई गईं। श्रीजी की बोली 15,000 रुपये में पंकज जैन अरिहंत जैन सिसाना वालो ने ली। सारथी की बोली 21,000 रुपये में सत्येंद्र कुमार जैन आकाश जैन सिसाना वालो ने ली। कुबेर की बोली 12,000 रुपये में राजा जैन भारती जैन तथा जिनवाणी की बोली 5,100 रुपये में राजा जैन भारती जैन ने ली। वहीं चंवर की दो बोलियां 6,200 रुपये में पारस जैन एवं वासु जैन (राजा जैन) ने लीं। बोलियों के उपरांत विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के साथ श्रीजी को रथ में विराजमान किया गया। इसके बाद बैड-बाजे के साथ भव्य रथयात्रा सिसाना गांव की विभिन्न



गलियों से निकाली गईं। श्रीजी का पांडुकशीला पर अभिषेक किया और विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होने के बाद श्रीजी को पुनः मंदिर में विराजमान किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंडित मयंक जैन ने किया। इस अवसर पर पत्रकार विपुल जैन, सुनील जैन मेडिकल स्टोर वाले, अनिल जैन बैंक वाले, प्रह्लाद जैन बड़ा बाजार बागपत, सत्येंद्र जैन,

पंकज जैन, राजा जैन, भारती जैन, वासु जैन, पारस जैन, रूबी जैन, पुनम जैन, संतोष जैन, अमित जैन मिलन फोटो स्टूडियो, विकास जैन कोथले वाले, राजीव जैन उर्फ राजू बागपत, अंकित जैन, गौरव जैन, अंशुल जैन, आकाश जैन, हिमांशु जैन, चिन्तू जैन, अजय जैन, ऋषभ जैन, सुरेंद्र जैन, अरिहंत जैन सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ऑफ कश्मीर के अध्यक्ष डॉ. तौसीफ भट्ट ने उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से की मुलाकात: युवा सशक्तिकरण, पर्यावरण

संरक्षण और कारीगरों के कल्याण पर चर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

श्रीनगर।रोटरी क्लब ऑफ कश्मीर के अध्यक्ष डॉ. तौसीफ भट्ट ने आज जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इस दौरान युवा सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सेवा और समावेशी आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक के दौरान डॉ. भट्ट ने उपराज्यपाल को क्षेत्र में रोटरी इंटरनेशनल की ओर से चलाए जा रहे तथा प्रस्तावित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की जानकारी दी। इनमें विशेष रूप से सामुदायिक पहुंच को मजबूत करने, युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली पहलें शामिल हैं। डॉ. तौसीफ भट्ट ने उपराज्यपाल को रोटरी क्लब ऑफ कश्मीर द्वारा जमीनी स्तर पर समुदाय-केंद्रित



परियोजनाओं को संचालित करने के प्रयासों के बारे में भी अवगत कराया। इन पहलों का उद्देश्य स्थायी और सार्थक सामाजिक प्रभाव पैदा करना है। माननीय उपराज्यपाल ने इन प्रयासों की सराहना की और समाज की सेवा के लिए क्लब द्वारा किए जा रहे निरंतर कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। तौसीफ भट्ट के साथ रोटैरियन श्री इरफान गुब्बी भी मौजूद थे। वे J&K की प्रमुख स्थानीय हाइपरमार्केट श्रृंखलाओं में से एक अल्तास रिटेल्स के

मालिक हैं। उन्होंने युवा उद्यमिता, स्थानीय व्यवसायों तथा क्षेत्र के कारोबारी माहौल को मजबूत करने की आवश्यकता को लेकर अपने विचार साझा किए। रोटैरियन श्री सज्जाद शाह ने कश्मीर के कारीगरों और शॉल निर्माण क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। इनमें विशेष रूप से भौगोलिक संकेतक (GI) टैगिंग, पारंपरिक शिल्प की सुरक्षा, बाजार तक पहुंच तथा कश्मीर की समृद्ध हस्तशिल्प विरासत के संरक्षण से जुड़े विषय शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय कारीगरों और शॉल निर्माताओं के हितों की रक्षा के लिए अधिक संस्थागत सहयोग और केंद्रित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक व्यापक पहुंच उपलब्ध कराने की जरूरत भी रेखांकित की गई। डॉ. भट्ट ने प्रतिनिधिमंडल को समय देने तथा युवा विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सेवा और पारंपरिक आजीविका को मजबूत करने से जुड़ी पहलों के लिए निरंतर प्रोत्साहन देने पर माननीय उपराज्यपाल का आभार व्यक्त किया। बैठक सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के सतत विकास और समावेशी आर्थिक प्रगति के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अग्रसेन जयंती पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा, अग्रसेन जयंती 8 से 11 अक्टूबर तक मनाई जाएगी

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रसेन जयंती पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा। महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह को लेकर प्रधान विशाल सिंगला की अध्यक्षता में आयोजित श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत की बैठक के उपरांत पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रवक्ता राधेश्याम गर्ग ने बताया कि इस वर्ष 8 से 11 अक्टूबर तक अग्रसेन जयंती के उपरांत पत्रकार वार्ता आयोजित किया जाएगा। राधेश्याम गर्ग ने बताया कि नई कार्यकारिणी के करीब 10 माह के कार्यकाल में चार रक्तदान शिविर, चार वाटर कूलर तथा प्रतिदिन भंडारे जैसी समाजसेवा की गतिविधियां की गई हैं। सैक्टर



» विभिन्न प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

~8 स्थित अग्रवाल भवन का निर्माण भी लगभग 80-90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। जल्द ही इसे समाज को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधान विशाल सिंगला के मार्गदर्शन में श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत एक रुपया और एक ईंट की भावना के साथ समाजसेवा को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर विशाल सिंगला के साथ राधे श्याम गर्ग, राजेश्वर गोयल, गौरव मित्तल, कुलवंत गर्ग, अभय मित्तल इत्यादि सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर राष्ट्रीय कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित



नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तथा अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह ने की। मुख्य अतिथि डीन इंटरनेशनल रिलेशंस प्रो. अनिल राय तथा विशिष्ट अतिथि गार्डन कमेटी की चेयरपर्सन एवं डीन, फरीन स्टूडेंट्स रजिस्ट्री प्रो. रूपम कपूर उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन, दिल्ली विश्वविद्यालय की कुलगीत एवं वंदे मातरम से हुआ। प्रो. के.पी. सिंह ने गांधी और शास्त्री के सत्य, अहिंसा, ईमानदारी एवं नैतिकता

के आदर्शों को जीवने में अपनाने का आह्वान किया। प्रो. अनिल राय ने गांधी जी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को समन्वय और परिवार को करुणा का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. मिलिंद पाण्डेय को नेशनल इमर्जिंग गांधियन स्कॉलर अवार्ड-2026 तथा इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वूमन एवं माता सुंदरी कॉलेज फॉर वूमन के सहयोगी स्टडी सर्किल अवार्ड-2026 प्रदान किया गया। चरखा स्पिरिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। आरबीएल बैंक के सहयोग से आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब 300 लोगों ने लाभ लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. विनय गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया और राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ।

पितृ पक्ष में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता व्यक्त करने से उनका आशीर्वाद एवं जीवन में सुख-शांति मिलती है : महंत राजेंद्र पुरी

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।जग ज्योति दरबार में पितृपक्ष के चलते रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। यजमान परिवार के श्रद्धालुओं का पूजन एवं हवन यज्ञ करवाने के उपरांत महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि पितृ पक्ष के दिनों में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने से हमें उनका आशीर्वाद और जीवन में सुख-शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष (श्राद्ध) हमारे पूर्वजों को याद करने और उनके प्रति सम्मान दिखाने का एक पवित्र समय है। इन दिनों में किए जाने वाले कार्यों से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। श्राद्ध को बुजुर्गों व पितरों के प्रति श्रद्धा का उत्सव माना गया है।



» पितृपक्ष पूर्वजों को याद करने एवं उनके प्रति सम्मान दिखाने का एक पवित्र समय है

सनातन में श्राद्ध परम्परा व कर्म को महत्वपूर्ण एवं आवश्यक माना गया है। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा है कि सनातन परंपरा में श्राद्ध कर्म का अत्यधिक आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व है। पितृपक्ष के इन दिनों में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने से मनुष्य को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। उन्होंने कहा कि वेद, दर्शन शास्त्र, उपनिषद और पुराण आदि में हमारे ऋषियों-मुनियों द्वारा जीवन और

मृत्यु के अत्यंत गूढ़ रहस्यों पर विस्तृत चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि वेद-पुराण, धर्म शास्त्र से लेकर पितृ पक्ष में होने वाली विधि आदि से वैज्ञानिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं। जिन के बारे में हम सभी को जरूर जानना चाहिए। इस मौके पर गोपाल शर्मा, जयदेव शर्मा, अमरजीत सिंह, जितेंद्र गाबा, सुनील गाबा, चरणजीत, त्रिलोचन शर्मा, राजीव शर्मा, बलविंदर सिंह, मोहन लाल, ईश्वर सिंह, मनप्रीत सिंह, अजय राठी, विजय राठी एवं अक्षय राठी इत्यादि भी मौजूद रहे।



सूरजमुखी की चमक



प्रमुख किस्में

सूरजमुखी की एक मात्र किस्म मार्डन बहुत लोकप्रिय है परंतु अब कई संकर किस्में भी उपलब्ध हैं जैसे बीएसएस-1, केबीएसएस-1, ज्वालामुखी, एमएसएफएच-17, सूर्या आदि।

बुवाई का समय एवं विधि

सूरजमुखी की फसल प्रकाश संवेदी है अतः इसे वर्ष में तीन बार (रबी, खरीफ एवं जायद ऋतु) में बोया जा सकता है। जायद मौसम में सूरजमुखी को फरवरी के प्रथम सप्ताह से फरवरी के मध्य तक बोना सबसे उपयुक्त होता है, जायद मौसम में कतार से कतार दूरी 45 सेमी व पौध से पौध दूरी 25-30 सेमी की दूरी पर बुवाई करें।

खाद एवं उर्वरक

बुवाई से पूर्व 7-8 टन प्रति हेक्टेयर की दर से सड़ी हुई गोबर खाद भूमि में खेत की तैयारी के समय खेत में मिलायें व अच्छी उपज के लिए सिंचित अवस्था में गूरिया

130 से 160 किग्रा, एसएसपी 375 किग्रा व पोटाश 66 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। नाइट्रोजन की 2/3 मात्रा व स्फुर एवं पोटाश की समस्त मात्रा बोते समय प्रयोग करें एवं नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा को बुवाई के 30-35 दिन बाद पहली सिंचाई के समय खड़ी फसल में देना लाभप्रद पाया गया है।

सिंचाई

जायद में बोयी गई (फरवरी माह में) सूरजमुखी की फसल में 3 सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली सिंचाई बुवाई के 30-35 दिन बाद करें व इसी अवस्था में नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा का उपयोग करें द्वितीय सिंचाई 20-25 दिन बाद फूल आने की अवस्था में करें एवं अंतिम सिंचाई बीज बनने की अवस्था में करें।

कीट नियंत्रण

प्रायः सूरजमुखी की फसल पर एफिड्स, जैसिड्स, हरे रंग की सुंडी व हेड बोरर का प्रकोप अधिक होता है। रस चूसक कीट, एफिड्स, जैसिड की रोकथाम के लिए इमिडाक्लोप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर या एसिटामिप्रिड 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें व सुंडी व हेड बोरर के नियंत्रण के लिए क्तिनालाफॉस 20 प्रतिशत 1 लीटर दवा को या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर दवा को 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।

रोग नियंत्रण

सूरजमुखी की फसल में मुख्यतः रतुआ, डाऊनी मिल्ड्यू, हेड राट, राइजोपस हेड राट जैसी समस्याएं आती हैं। पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

कम लागत में मूंग



उपचारित बीज को राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से निवेशित करें चाहिए। इस हेतु 5 ग्राम कल्चर प्रति किग्रा बीज के मान से उपयोग किया जा सकता है।

सिंचाई

गर्मियों में फसल होने के कारण फसल को 5-6 सिंचाईयों की आवश्यकता पड़ती है। क्रांतिक अवस्था जैसे शाखा बनते समय, फलियां बनते समय तथा दाना भरते समय सिंचाई करना आवश्यक होगी।

पौध संरक्षण

मूंग की फसल में कई बार पत्तियों पर भूरे रंग के धब्बे बनते हैं जो फैलकर पूरे पौधे को झुलसा देती है। साथ ही भभूतिया रोग का प्रकोप होता है। इस रोग में पत्तियों पर सफेद चूर्ण जमा हुआ दिखता है। दोनों ही रोगों के नियंत्रण के लिए कार्बेन्डाजिम की एक ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

मूंग की फसल पर फली बीटल, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, फली छेदक कीटों का प्रकोप होता है। इनके नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 400 मिली 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के मान से छिड़काव करें।

उपज

मूंग की फलियां गुच्छों में लगती है तथा अधिकांश प्रजातियों में फलियां एक साथ नहीं पकती अतः 2-3 बार तोड़ाई पर पूरी फसल की फलियां तोड़ ली जाती हैं। मूंग के दानों को बेल चलाकर या डंडे से पीटकर अलग किया जाता है। भूसे से मूंग के दानों को हवा द्वारा अलग करके अच्छी तरह साफ कर सुखाने के बाद ही भंडारण करते हैं। उन्नत शस्य क्रियाएं व पौध संरक्षण अपनाने पर 7-8 क्विंटल मूंग प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। तथा एक एकड़ क्षेत्र में 4000-5000 रुपये लागत आने पर 15000 रुपये की आय होती है।



गर्मियों की तिल

भूमि

मट, हल्की चिकनी एवं कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करें। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चाहिए।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5-6 किग्रा/ हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/किग्रा) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें। बीजों के समान वितरण हेतु बीज : गोबर की खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

उन्नत किस्में

ग्रीष्म ऋतु हेतु तिल की अनुशंसित किस्में टीकेजी-22, टीकेजी-55, जेटीएस-8, टीकेजी-306 फरवरी के तृतीय से चतुर्थ सप्ताह में बोयें। बोने में कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख / हे. प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश/ हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन



बीने के 15-20 दिन बाद निराई-गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें।



सिंचाई सुबह-शाम करें। फूल आने तथा फलियां बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

कीट नियंत्रण

तिल को पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट पौधों की पत्ती अवस्था में एवं फूलों के अंदर घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फल्ली में छेदकर फसल को नुकसान पहुंचाती है। क्तिनालफॉस 25 ईसी (2 मिली/ली.) या डाइमेथियेट (1 मिली/लीटर) का आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

रोग नियंत्रण

तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता है जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते हैं। अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती है। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकटठा कर नष्ट करें। डायथेन एम-45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगे तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

उपज

700-800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।

आम्रपाली के रवैये को डबल फेस बताया गौहर खान ने



गौहर खान ने आम्रपाली को दिखाया आईना!

गौहर खान को आम्रपाली का यही रवैया बिल्कुल पसंद नहीं आया। उन्होंने एक पुरानी घटना का जिक्र करते हुए आम्रपाली के दोहरे चरित्र को उजागर किया। गौहर ने याद दिलाया कि जब कुछ समय पहले काजी तौकीर के भुंह से गलती से अपशब्द निकल गया था, तब आम्रपाली ने उन्हें ज्ञान दिया था कि अगर किसी को आपकी बात से ठेस पहुंचती है, तो आपको ऐसी बातें नहीं बोलनी चाहिए। गौहर के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी बिग बॉस फैस के बीच बहस छिड़ गई है।

छोटे परदे के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस-20 के हालिया एपिसोड में फिर जमकर हंगामा देखने को मिला। यंग डीएसए ने शो के दौरान प्रतियोगी लव गिल के डांस पर एक टिप्पणी की थी, जिसके बाद आम्रपाली ने लव गिल का साथ देने के बजाय उन पर ही चिल्लाना शुरू कर दिया। पूरे मामले पर अभिनेत्री और बिग बॉस की पूर्व विजेता गौहर खान ने अपनी तोखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। गौहर खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर कई वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उन्होंने आम्रपाली के रवैये को डबल फेस या दोहरा चरित्र बताया। गौहर खान ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उन्होंने बिग बॉस का हालिया एपिसोड देखा, जिसमें यंग डीएसए ने लव गिल के डांस पर टिप्पणी की कि वह वहां खड़ी होकर डांस कर रही हैं। इसके बाद लव गिल ने यंग डीएसए से साफ तौर पर कहा था कि भाई, तुम्हारा इस तरह से मेरे डांस पर टिप्पणी करना मुझे अच्छा नहीं लगा। गौहर ने बताया कि इसी बात पर आम्रपाली लव गिल को ही डांटने लगीं। आम्रपाली ने लव गिल से कहा कि तुम्हें पता है न कि यंग डीएसए का तुम्हें लेकर इरादा गलत नहीं था, वो तुम्हारा दोस्त है, तो तुम ऐसे क्यों बोल रहे हो। गौहर ने इस बात पर जोर दिया कि आम्रपाली उस वक्त लव गिल पर काफ़ी गुस्सा हुई थीं और उन्होंने कहा था कि आप यंग डीएसए के बारे में ऐसे क्यों सोच रही हो। गौहर खान ने इस घटना की तुलना बिग बॉस 20 के एक पिछले प्रकरण से की, जब काजी तौकीर ने कनिका मान और अन्य घरवालों से बातचीत के दौरान गलती से एक अपशब्द का इस्तेमाल किया था। उस समय, आम्रपाली ने काजी को ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करने की नसीहत दी थी। गौहर खान ने इस बात पर सवाल उठाते हुए कहा, तो फिर, जब काजी ने पहले ही साफ किया था कि उसने उस शब्द का इस्तेमाल किया था लेकिन उसका गलत इरादा नहीं था। फिर आम्रपाली जी आप जाकर काजी को बोल रही थीं कि अगर आपका गलत इरादा नहीं था और किसी को उससे दिक्कत हो रही है, तो आप मत बोलिए। गौहर खान ने स्पष्ट किया कि आम्रपाली दुबे एक तरफ यंग डीएसए का बचाव कर रही थीं कि उसका इरादा गलत नहीं है और दूसरी तरफ काजी को गलत बता रही थीं, जबकि दोनों ही मामलों में कलाकारों का इरादा गलत नहीं था। उन्होंने आम्रपाली के इस पक्षपातपूर्ण रवैये पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा, लव तो आपकी दोस्त हैं और जब वो आपको बोल रही है कि उसको यंग डीएसए का इस तरह से बोलना अच्छा नहीं लगा, तो उस वक्त आपने उसको नसीहत दी कि अरे उसका इरादा वो नहीं है, तो आप काजी को कैसे बोल सकती हैं, कि नहीं अगर किसी को ऐसी बातें पसंद न आए तो नहीं बोलनी चाहिए।

रजनीकांत की जेलर 2 का गाना अला बोलेलों रिलीज, आधी उम्र की एक्ट्रेस शामना कासिम ने मचाई धूम

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रजनीकांत एक साल से बड़े पर्दे से दूर हैं। अभिनेता की पिछली फिल्म कुली अगस्त 2025 में आई थी. हालांकि फैस उनकी फिल्म जेलर 2 का इंतजार कर रहे हैं जो जल्द ही रिलीज होने वाली है. फिलहाल मेकर्स ने इसका गाना अला बोलेलो रिलीज किया है. इसमें रजनीकांत के सामने आधी उम्र की एक्ट्रेस शामना कासिम अपने डांस मूव्स से फैस का दिल जीत रही हैं. गाना दर्शकों को पसंद आ रहा है. हाल ही में अला बोलेलो गाने का प्रमो रिलीज किया गया था तो केरल की ऑडियंस ने मलयालम शब्दों के गलत उच्चारण पर गाने की आलोचना की थी. हालांकि अब पूरा गाना सामने आने के बाद गाने को सोशल मीडिया पर प्यार मिल रहा है. मेकर्स ने अला बोलेलो का लिрикल वर्जन रिलीज किया है. गाने को अनिरुद्ध रविचंद्र ने अपनी आवाज दी है. उनके अलावा निर्जना रमन, अपर्णा हरिकुमार और दीपति सुरेश ने भी इस गाने को गाया है. जबकि अनिरुद्ध रविचंद्र ने गाने



को संगीत भी दिया है. वहीं इसे लिखा है अरुणराजा कामराज ने. मेकर्स ने 4 मिनट का लिरिकल सॉन्ग रिलीज किया है, जिसमें 37 साल की एक्ट्रेस शामना कासिम डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं. उन्होंने पारंपरिक कसातु साड़ी पहने इसका रंग रखा है. गाने के बीच-बीच में रजनीकांत (75 वर्ष) की भी झलक नजर आती है. कुल मिलाकर गाना

एंटरटेनिंग है. जेलर 2 रजनीकांत की साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर का सीक्वल है. जेलर 2 दुनियाभर में 15 अक्टूबर 2026 को रिलीज होगी. इसका डायरेक्शन नेल्सन दिलीप कुमार ने किया है और इसकी कहानी भी उन्होंने ही लिखी है. जबकि जेलर 2 को कलनिधि मारन ने सन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया

है. पहले पार्ट की तरह ही सीक्वल में भी रजनीकांत के साथ राम्या कृष्णन भी नजर आएंगी. फिल्म का हिस्सा ऋत्विक्, योगी बाबू, मिर्ना जैसे कलाकार भी हैं. साउथ के मशहूर एक्टर विजय सेतुपति इसमें कैमियो करते हुए नजर आएंगे. जबकि बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को लेकर भी ऐसी ही खबरें हैं.

निम्नित कौर ने परिवार के साथ पोस्ट की कुछ प्यारी तस्वीरें

सोशल मीडिया पर हाल ही में अभिनेत्री निम्नित कौर अहलूवालिया अपने परिवार के प्रति अपनी गहरी भावनाओं को व्यक्त किया है। निम्नित कौर अहलूवालिया ने इंस्टाग्राम पर अपने परिवार के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वे सभी मिलकर मजेदार और यादगार पल बिताते हुए नजर आ रहे थे। इन तस्वीरों के साथ निम्नित ने एक भावुक कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने अपने परिवार को मेरी जिंदगी की टैग टीम कहकर संबोधित किया। उन्होंने आगे लिखा कि चाहे वे अलग-अलग देशों, अलग टाइम जोन, अलग शहरों में रहते हों, चाहे उनके काम का शेड्यूल कितना भी व्यस्त हो, या उनकी अपनी-अपनी जिंदगी में लगातार भागदौड़ हो, वह जानती है कि वह जितना चाहती है, उतना अपने परिवार के साथ नहीं रह पाती है। वह यह भी महसूस करती है

कि वह कभी-कभी अपनी भावनाओं को वैसा नहीं दिखा पाती है जैसा वह चाहती है, लेकिन हर दिन वह बिना भूले उन सबके बारे में सोचती है। निम्नित ने यह भी बताया कि यह सोचकर उनके मन को बहुत शांति मिलती है कि वे कहीं भी क्यों न हों, वे हमेशा एक-दूसरे का साथ देगे और एक-दूसरे के लिए दुआ करते रहेंगे। उन्होंने प्यार की एक गहरी परिभाषा देते हुए कहा, शायद प्यार हमेशा दिखावाटी नहीं होता। शायद ये एक साथ सारी उथल-पुथल और खामोशी में टिके रहने के बारे में है। यह संदेश निम्नित के परिवार के प्रति अटूट प्रेम और विश्वास को दर्शाता है। अभिनेत्री के पेशेवर जीवन की बात करें तो, उन्होंने हाल ही में थ्रिलर वेब सीरीज अब होगा हिसाब से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू किया है। इस सीरीज में निम्नित कौर अहलूवालिया ने गजल नामक



किरदार निभाया है, जबकि शहीर शेख (बॉबी), संजय कपूर (गोल्डी सेखों / गोल्डी), मोनी रॉय (कामना), अविनाश मिश्रा (बंदी), हरमन सिंघा (इंस्पेक्टर दोसांझ), आशीमा वरदान (लवली) और अंकित गुलाटी जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। यह सीरीज पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित है और अवैध अग्रवासन (जिसे ऊली रुट भी कहा जाता है), मानव तस्करी तथा अंगों की तस्करी की काली दुनिया जैसे गंभीर और संवेदनशील विषयों के इर्द-गिर्द घूमती है।

रोजमर्रा के भोजन को संतुलित बनाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

संतुलित भोजन हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। यह न केवल हमारे शरीर को पोषण देता है, बल्कि हमें ऊर्जा भी प्रदान करता है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में संतुलित भोजन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन कुछ सरल तरीकों से हम इसे संभव बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने रोजमर्रा के भोजन को संतुलित और पौष्टिक बना सकते हैं। अपने खाने में ताजे फल और सब्जियों को शामिल करना सबसे आसान तरीका है, जिससे आपका भोजन संतुलित हो सकता है। फल और सब्जियां जरूरी विटामिन्स, मिनरल्स और रेशे से भरपूर होती हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ रखते हैं। कोशिश करें कि हर भोजन में कम से कम एक फल या सब्जी हो। सलाद, सूप या सब्जियों का सब्जी बनाकर खाएं। इससे न केवल आपको जरूरी पोषण मिलेगा, बल्कि आपकी भूख भी शांत होगी। मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, रागी आदि को अपने खाने में शामिल करें। ये अनाज रेशेदार होते हैं, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद



करते हैं। इसके अलावा इनमें जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स की मात्रा भी अधिक होती है। मोटे अनाज खाने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जिससे आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं और वजन नियंत्रित कर सकते हैं। इनका सेवन करने से शरीर को ऊर्जा भी मिलती है। पानी हमारे शरीर के लिए सबसे अहम तत्व है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर में नमी बनी रहती है

और हानिकारक तत्व बाहर निकलते रहते हैं। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। अगर आप चाहें तो नींबू पानी या नारियल पानी भी पी सकते हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इससे आपके पाचन तंत्र को भी मदद मिलेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे। संतुलित मात्रा में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व

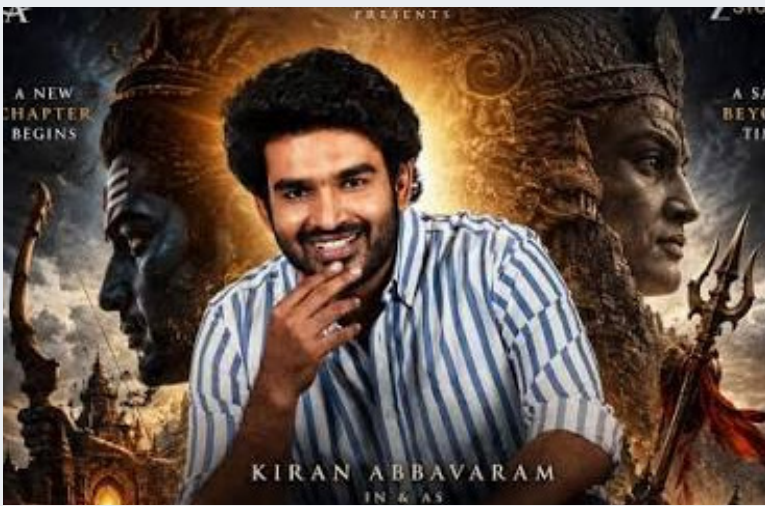
लेना बहुत जरूरी है ताकि शरीर सभी जरूरी तत्व प्राप्त कर सके। अपने खाने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा सभी प्रकार के पोषक तत्वों को संतुलित मात्रा में शामिल करें ताकि शरीर को पूरा पोषण मिले। इन सरल तरीकों अपनाकर आप अपने रोजमर्रा के भोजन को संतुलित और पौष्टिक बना सकते हैं, जिससे आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

किरण अब्बावरम की पौराणिक एक्शन-फंतासी फिल्म इंद्रपुत्र का ऐलान

पोस्टर के साथ रिलीज डेट की भी घोषणा

चेन्नई लव स्टोरी के बाद किरण

अब्बावरम ने माइथोलॉजिकल एक्शन फैंटेसी फिल्म इंद्रपुत्र की घोषणा की है। श्रीकांत पुप्पाला के निर्देशन में बन रही यह फिल्म धर्म बनाम अधर्म पर आधारित एक नई दुनिया को पेश करेगी। यह प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और इसकी शूटिंग अक्टूबर 2026 में शुरू होगी। इंद्रपुत्र के साथ किरण अब्बावरम एक नए और बोल्ड जॉनर में कदम रख रहे हैं, जिसमें वे एक जटिल माइथोलॉजिकल किरदार निभाएंगे। वे इसे एक अनोखा प्रोजेक्ट मानते हैं और कहते हैं कि यह उनके सिनेमेटिक विजन से मेल खाता है। इस रोल के लिए इमोशनल गहराई और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की जरूरत है, जो उन्हें उनकी पिछली रोमांटिक और यूथ-ओरिएंटेड फिल्मों से बिल्कुल अलग दिखाएगा। इंद्रपुत्र श्रीकांत पुप्पाला के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी; वे इससे पहले कांतारा: ए लीजेंड – चैप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी के साथ फर्स्ट असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। उनका कहना है कि भारतीय माइथोलॉजी को बड़े विजुअल स्केल पर पेश करना उनका लंबे समय से देखा गया सपना था। किरण की ईमानदारी और काम



के प्रति उनका जुनून उन्हें इस एपिक फिल्म बनाता है। इंद्रपुत्र की मुख्य शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। कास्ट और क्रू की जानकारी जल्द ही सामने आएगी। किरण को आखिरी बार 24 जुलाई 2026 को रिलीज हुई फिल्म चेन्नई लव स्टोरी में श्री गौरी प्रिया के साथ देखा गया था। अब फैस इस बड़े फैंटेसी प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोरा द्वारा निर्मित और कीर्तन और कुसुम अरोरा द्वारा

सह-निर्मित, इंद्रपुत्र फिलहाल पूर्व-निर्माण चरण में है। इसकी शूटिंग अगले महीने अक्टूबर से शुरू होगी। मुख्य अभिनेता के रूप में अब्बावरम को चुना गया है, जिन्होंने 2019 में रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म राजा वारू रानी गारु से डेब्यू किया था। अन्य कलाकारों और तकनीकी दल का ऐलान आने वाले समय में किया जाएगा।

फिल्म 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी, लेकिन तारीख का खुलासा होना बाकी है।

